www.sanjanabharati.com
दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित
facebook.com/Sanjanabharati

SB NEWS

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240
आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 राष्ट्र निर्माण के 'अटल' आदर्श की शताब्दी
3 सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को पात्र...
4 सुशासन की मजबूती के लिए अधिकारियों...

वर्ष: 9 | अंक: 62 | दिल्ली, गुरुवार, 26 दिसम्बर 2024 | पृष्ठ संख्या: 4 | मूल्य: 1 रुपया

प्रधानमंत्री मोदी ने केन-बेतवा नदी जोड़ो राष्ट्रीय परियोजना का शिलान्यास किया

केंद्र देश-विदेश से आने वाले सभी पर्यटकों के लिए सुविधाएं बढ़ाने का निरंतर प्रयास कर रही है: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

संजना भारती/पीआईबी

मध्य प्रदेश। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 100वीं जयंती के मौके पर, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मध्य प्रदेश के खजुराहो में कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए, श्री मोदी ने भारत और विश्व के ईसाई समुदाय के लोगों को क्रिसमस की शुभकामनाएं दीं। यह याद करते हुए कि मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अगुवाई में सरकार ने अपने गठन के एक वर्ष पूरे कर लिए हैं, श्री मोदी ने इसके प्रदेश के लोगों को बधाई दी। उन्होंने आगे कहा कि पिछले एक वर्ष में हजारों करोड़ रुपये से अधिक की नई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के कार्यान्वयन के साथ-साथ विकास कार्यों ने गति पकड़ी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज ऐतिहासिक केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना, दौधन बांध और ओंकारेश्वर फ्लोटिंग सौर परियोजना (मध्य प्रदेश का पहला सौर ऊर्जा संयंत्र) का शिलान्यास किया गया है।

प्रधानमंत्री ने भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म शताब्दी के मौके पर आज के दिन को एक उल्लेखनीय प्रेरणादायी दिन बताते हुए कहा कि आज सुशासन और अच्छी सेवा का पर्व हम सभी के लिए प्रेरणादायी है। श्री वाजपेयी की याद में डाक टिकट और सिक्का जारी करते हुए प्रधानमंत्री ने उनको स्मरण करते हुए कहा कि श्री वाजपेयी ने वर्षों तक उनके जैसे सामान्य कार्यकर्ताओ का प्रोत्साहन और मार्गदर्शन किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्र के विकास के लिए अटल जी की सेवा हमेशा हमारी स्मृति में अमिट रहेगी। श्री मोदी ने इस बात पर बल दिया कि आज से 1100 से अधिक अटल ग्राम सुशासन सदनों पर काम शुरू हो जाएगा और इसके लिए पहली किस्त जारी कर दी गई है। उन्होंने कहा कि अटल ग्राम सेवा सदन गांवों के विकास को आगे बढ़ाएगा।

सुशासन दिवस को एक दिन का मामला न बताते हुए श्री मोदी ने कहा, ह्लसुशासन हमारी सरकारों की पहचान है। केंद्र में लगातार तीसरी बार सेवा करने का अवसर देने और मध्य प्रदेश में लगातार सेवा करने का मौका देने के लिए लोगों का आभार जताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इसके पीछे सुशासन सबसे मजबूत कारक है। प्रधानमंत्री ने बुद्धिजीवियों, राजनीतिक विश्लेषकों और अन्य प्रख्यात शिक्षाविदों से विकास, लोक कल्याण और सुशासन के मानदंडों पर आजादी के 75 साल पूरे होने पर देश का मूल्यांकन करने का आग्रह किया। उन्होंने इस बात पर रोशनी डाली कि जब भी लोगों की सेवा करने का अवसर मिला, उनकी सरकार ने लोगों के कल्याण और विकास कार्यों को सुनिश्चित करने में सफलता पाई है। श्री मोदी ने कहा, ह्लअगर हमें कुछ मानदंडों पर आंका जाए, तो देश देखेगा कि हम आम लोगों के प्रति कितने समर्पित हैं। उन्होंने आगे कहा कि सरकार ने हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के सपनों को साकार करने के लिए अथक प्रयास किया, जिन्होंने राष्ट्र के लिए अपना खून बहाया। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि सुशासन के लिए न केवल अच्छी योजनाओं की जरूरत होती है, बल्कि उनके प्रभावी कार्यान्वयन की भी जरूरत होती है और इस बात पर बल दिया कि सुशासन का पैमाना यह है कि सरकारी योजनाओं से आम लोगों को कितना फायदा हुआ है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछली सरकारों ने घोषणाएं तो कीं, लेकिन कार्यान्वयन में गंभीरता और इरादे की कमी के कारण लाभ लोगों तक नहीं पहुंच पाया। उन्होंने पीएम किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं के लाभों पर जोर दिया, जिसके तहत मध्य प्रदेश में किसानों को 12,000 रुपये मिलते हैं और कहा कि यह जन धन बैंक खाते खोलने से संभव हुआ।

प्रधानमंत्री ने मध्य प्रदेश में लाडली बहना योजना पर प्रकाश डाला और कहा कि बैंक खातों को आधार और मोबाइल नंबर से जोड़े बिना यह संभव नहीं हो पाता। उन्होंने कहा कि पहले सस्ते राशन की योजनाएं थीं, लेकिन गरीबों को राशन पाने के लिए संघर्ष करना पड़ता था, जबकि आज गरीबों को पूरी पारदर्शिता के साथ मुफ्त राशन मिलता है, इसका श्रेय प्रोद्योगिकी को जाता है, जिसने धोखाधड़ी को खत्म कर दिया और वन नेशन, वन राशन कार्ड जैसी देशव्यापी सुविधाओं को बढ़ावा दिया। श्री मोदी ने कहा कि सुशासन का अर्थ है कि नागरिक अपने अधिकारों के लिए सरकार से भीख न मांगे और न उन्हें सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने पडें।

सीएम ने रेवाड़ी में कर-भवन तथा सभी जी.एस.टी. कार्यालयों में सुविधा केंद्रों का किया शुभारंभ

एसबी संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सुशासन दिवस पर व्यापारियों और कर-दाताओं की सुविधा के लिए बुधवार को जिला रेवाड़ी में कर-भवन तथा सभी 27 जी.एस.टी. कार्यालयों में सुविधा केंद्रों का शुभारंभ किया। रेवाड़ी में कर-भवन के निर्माण पर 29 करोड़ रुपये की लागत आई है और यह 4 हजार 571 वर्ग मीटर क्षेत्र में बना है। उन्होंने कहा कि इन जीएसटी सुविधा केंद्रों में व्यापारियों को एक ही छत के नीचे सारी सुविधाएं मिलेंगी। यह केन्द्र व्यापारियों और उद्यमियों के लिए रजिस्ट्रेशन, रिटर्न फाइल, टैक्स भुगतान और जी. एस.टी. कानून से संबंधित परामर्श जैसे कई महत्वपूर्ण सुविधाएं प्रदान करेगा। यही नहीं, यहां व्यापारियों को ई-वे बिल और अन्य ऑनलाइन प्रक्रियाओं का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। इन केंद्रों में डिजिटल तकनीक का उपयोग करके कार्य प्रक्रियाओं को सरल बनाया गया है, जिससे व्यापारियों के समय और संसाधनों की बचत होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह जीएसटी सुविधा केंद्र प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की एक राष्ट्र-एक कर की सोच को साकार करने में महत्वपूर्ण योगदान करेंगे। जी.एस.टी. सुविधा केंद्र 'विकसित हरियाणा विकसित भारत' के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि जी.एस.टी. आजादी के बाद सबसे बड़ा अप्रत्यक्ष कर सुधार है। इससे देश के बाजार में बदलाव आया है। इससे कई अप्रत्यक्ष टैक्स खत्म हो गये हैं। जी.एस.टी. से व्यापार और उद्योग क्षेत्र को कई फायदे हुए हैं।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा प्रदेश टैक्स सुधारों को लागू करने में सदैव अग्रणी रहा है। आज जी.एस.टी. संग्रह में हरियाणा सबसे अधिक वृद्धि करने वाले राज्यों में से एक है। वित्त वर्ष 2023-24 के लिए कुल जी. एस.टी. संग्रह में हरियाणा 5वें स्थान पर तथा प्रति व्यक्ति जी.एस.टी. संग्रह में प्रमुख राज्यों में पहले स्थान पर है। प्रदेश सरकार ने गुरुग्राम में स्टार्टअप की मदद के लिए जी.एस.टी. सुविधा सेल का शुभारंभ किया है। इसमें स्टार्ट-अप को पंजीकरण से लेकर रिटर्न दाखिल करने तक एंड-टू-एंड मदद मिलती है। इसी प्रकार वाणिज्य भवन, पंचकूला में एम.एस.एम.ई. जी.एस.टी. सुविधा सेल का शुभारंभ किया गया है। इससे छोटे उद्यमियों को आसानी से जी.एस.टी. अनुपालन करने में मदद मिल रही है। इसके अलावा, सरकार ने व्यापार संघों, टैक्स बार संघों, चार्टर्ड अकाउंटेंट संघों और अन्य संबंधित हितधारकों के साथ हर महीने के दूसरे शुक्रवार को रेंज और जिला स्तर पर बैठकें आयोजित करने का निर्णय लिया है। इससे आपसी विश्वास, समन्वय और सहयोग को बढ़ावा मिलेगा।

महाकुंभ को लेकर कालिंदी एक्सप्रेस का विस्तार भिवानी से सिरसा तक किया जाए: कुमारी सैलजा

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

चंडीगढ़। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि प्रयागराज से भिवानी तक आने वाली कालिंदी एक्सप्रेस का विस्तार सिरसा तक किया जाए ताकि इसके हजारों श्रद्धालु, साधु-संत प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ में स्नान का धर्मलाभ उठा सकें। साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सैनी को पत्र लिखकर सिरसा के पार्क और ग्रीन बैल्ट के रखरखाव की जिम्मेदारी किसी एक विभाग की तय करते हुए जीर्णोद्धार के लिए धनराशि जारी की जाए।

मीडिया को जारी बयान में कुमारी सैलजा ने कहा है कि सिरसा लोकसभा क्षेत्र में लोगों द्वारा कुछ ट्रेनों को सिरसा तक संचालित किए जाने को लेकर मांग उठाई गई है जिन्हें वे आपके संज्ञान में लाना चाहती हैं। गाड़ी संख्या नंबर 14117 व 14118 कालिंदी एक्सप्रेस जो की प्रयागराज से चलकर भिवानी तक आती है उसे सिरसा के लिए आसानी से बढ़ाया जा सकता है जिससे सिरसा वासियों को भी सीधे प्रयागराज जाने का मौका मिल सकेगा। इस समय प्रयागराज में महाकुंभ की शुरूआत 13 जनवरी 2025 को पौष पूर्णिमा स्नान के साथ होगी, जो कि 26 फरवरी 2025 यानि महाशिवरात्रि तक रहेगा। इस क्षेत्र के हजारों श्रद्धालु, साधु-संत इसका धर्मलाभ उठा सकेंगे।

प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ को देखते हुए इस ट्रेन का विस्तार जल्द से जल्द भिवानी से सिरसा तक किया जाए। साथ ही उन्होंने अनुरोध किया है कि नई दिल्ली से सिरसा वाया महम रोहतक हांसी हिसार व सिरसा तक नई इंटरसिटी गाड़ी को चलवाया जाए, 14891/14892 गाड़ी जो की जोधपुर से हिसार तक आती है उसे सिरसा तक आसानी से बढ़ाया जा सकता है। कुमारी सैलजा ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि सिरसा नगर में करोड़ों रुपये की राशि खर्च कर टाऊन पार्क, भादरा पार्क और ग्रीन बैल्ट को विकसित किया गया था। इन पार्कों के रखरखाव की जिम्मेदारी से हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (हुडा) और नगर परिषद सिरसा दोनों ही पल्ला झाड़ रहे है। ऐसी स्थिति में पार्क उजड़ रहे है, प्रातः और सायंकालीन सैर पर जाने वाले लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। टाऊन पार्क में म्यूजिकल फाऊंटेन थे जिन पर लाखों रुपये की राशि खर्च की गई थी पर रखरखाव ठीक ढंग से न होने पर फव्वारे कबाड़ बनकर रह गए है। ऐसे ही भादरा पार्क के हालात है। ग्रीन बैल्ट नशेडियों का अड्डा बनकर रह गई है। इन पार्कों के रखरखाव का जिम्मा हुडा का बताया जाता है और हुडा कहता है कि इसकी जिम्मेदारी नगर परिषद सिरसा की है। उन्होंने कहा है कि इन पार्कों और ग्रीन बैल्ट के रखरखाव की जिम्मेदारी किसी एक विभाग की तय की जाए और धनराशि जारी कर इनका जीर्णोद्धार करवाया जाए। ऐसा करने से एक ओर जहां पर्यावरण स्वच्छ रहेगा वहीं सैर करने वाले लोगों को लाभ होगा और बच्चों का मनोरंजन भी होगा।

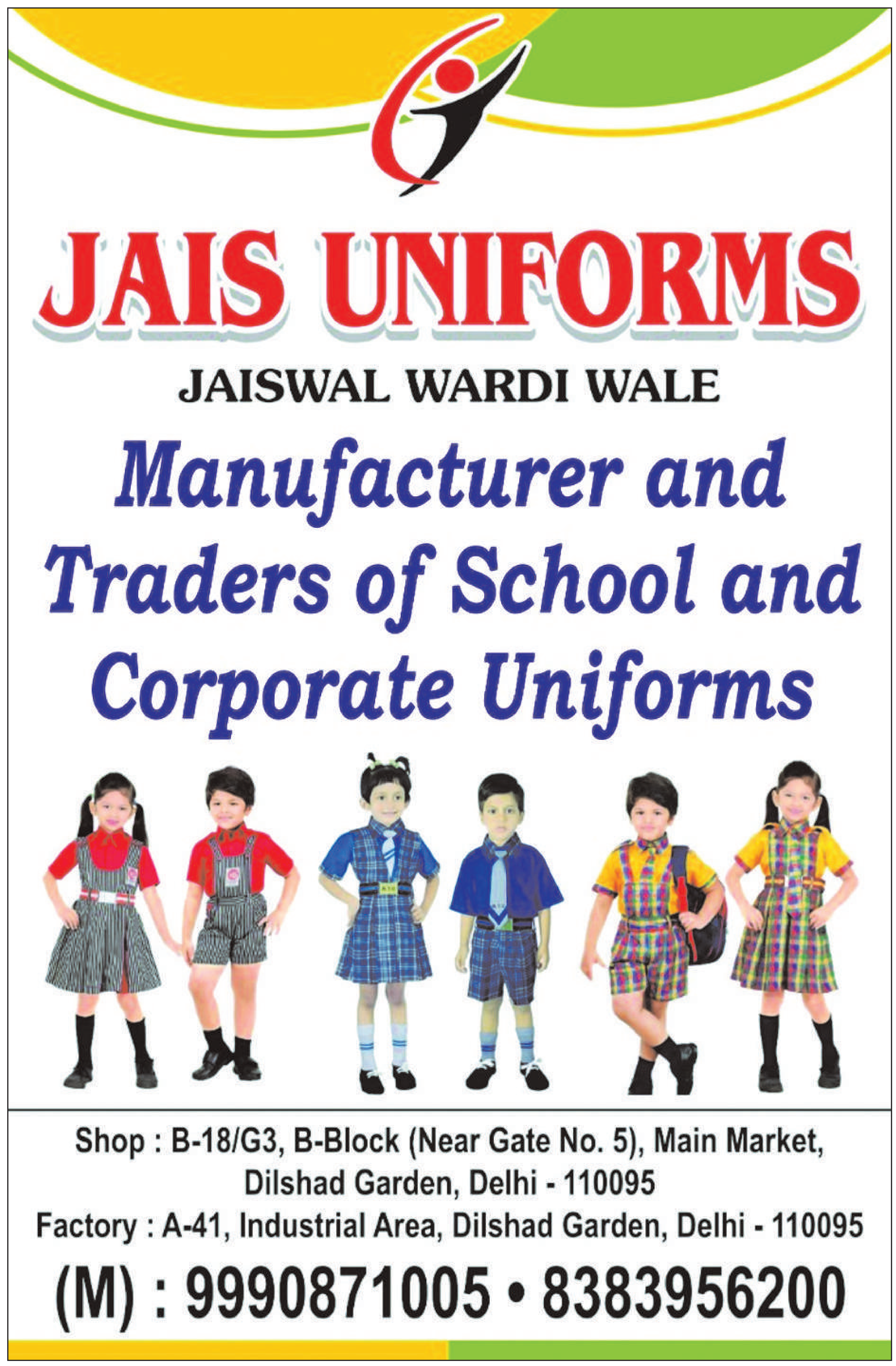

संक्षिप्त समाचार

प्रधानमंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को उनकी 100वीं जन्म जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की

संजना भारती/पीआईबी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी को उनकी 100वीं जन्म जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया: "पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी को उनकी 100वीं जन्म-जयंती पर आदरपूर्ण श्रद्धांजलि। उन्होंने सशक्त, समृद्ध और स्वावलंबी भारत के निर्माण के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। उनका विजन और मिशन विकसित भारत के संकल्प में निरंतर शक्ति का संचार करता रहेगा।"

पर्यटकों से भरी नाव पलटी, एक की मौत

गोवा (एजेन्सी)। बुधवार को इंजन में खराबी के कारण उत्तरी गोवा के कैलंगुट समुद्र तट पर एक पर्यटक नाव के पलट जाने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और लगभग 20 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने इस बात की जानकारी दी है। लाइफगार्ड प्रभारी संजय यादव ने कहा कि कैलंगुट बीच पर एक नाव पलट गई। हमने घटना में 13 लोगों को बचाया। हमें लोगों की सही संख्या तो नहीं पता, लेकिन नाव के नीचे फंसे एक ही परिवार के करीब 6 लोगों की हालत गंभीर थी। हमें घटना का कारण नहीं पता। उन 6 लोगों में से एक की मौत हो गई है। पुलिस ने डूबने से अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज कर लिया है और हादसे की जांच कर रही है। यह घटना बुधवार दोपहर के आसपास हुई, जिसमें कैलंगुट बीच पर लाइफगार्ड एजेंसी दृष्टि मरीन लाइफसेवर्स ने 20 से अधिक यात्रियों को बचाया। यात्रियों की उम्र छह से 65 वर्ष के बीच थी, जिसमें महाराष्ट्र के खेड़ का 13 लोगों का परिवार भी शामिल था, जो नाव पलटने के समय नाव पर मौजूद थे। 20 से अधिक यात्रियों से भरी नाव तट से लगभग 60 मीटर की दूरी पर पलट गई, जिससे सभी लोग अशांत समुद्र में गिर गए।

भारतीय सीमा में घुसपैठ की कोशिश कर रहा संदिग्ध मारा गया: पुलिस

गंगानगर (एजेन्सी)। सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने गंगानगर जिले में भारत-पाकिस्तान सीमा पर भारतीय सीमा में घुसपैठ करने की कोशिश कर रहे एक संदिग्ध को मार गिराया। अधिकारियों ने बताया कि घटना मंगलवार देर रात की है। गंगानगर के जिला पुलिस अधीक्षक गौरव यादव ने बताया कि यह घटना केसरीसिंहपुर इलाके के एक गांव के पास हुई जब एक संदिग्ध व्यक्ति ने पाकिस्तान से भारतीय सीमा में घुसने की कोशिश की। उन्होंने बताया कि संदिग्ध भारतीय सीमा में लगे खंभे की तरफ आने की कोशिश कर रहा था। बीएसएफ के जवानों ने उसे चेतावनी दी। जब वह नहीं रुका तो जवानों ने गोली चला दी। इसमें उसकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि संदिग्ध के पास पाकिस्तानी मुद्रा, सिगरेट का पैकेट और कुछ अन्य सामान मिला है। उसके बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने कैथोलिक बिशप कॉन्फ्रेंस मुख्यालय का दौरा किया

नई दिल्ली (एजेन्सी)। भारतीय जनता पार्टी अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जे.पी. नड्डा ने क्रिसमस के अवसर पर यहां कैथोलिक बिशप कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडिया मुख्यालय और सेक्रेड हार्ट कैथेड्रल चर्च का दौरा किया। नड्डा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी पोस्ट में कहा, जैसा कि हम ईसा मसीह के जन्म का जश्न मनाते हैं, आइए हम देने की भावना, शांति की खोज, आशा की शक्ति और एक राष्ट्र के रूप में हम कैसे प्रेम, करुणा और सद्भाव के मूल्यों को अपना सकते हैं और बढ़ा सकते हैं, इसका भी जश्न मनाएं। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि वह सभी देशवासियों की खुशी और कल्याण की प्रार्थना करते हैं। उन्होंने कहा, हमारा राष्ट्र सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के मंत्र से निर्देशित होकर विकास के पथ पर आगे बढ़ता रहे और सभी भारतीयों के योगदान से विकसित भारत 2047 के अपने लक्ष्य तक पहुंचे। आप सभी को क्रिसमस की शुभकामनाएं! प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी सोमवार को सीबीसीआई का दौरा किया था।

गिरिराज सिंह ने नीतीश के लिए मांगा भारत रत्न

नई दिल्ली (एजेन्सी)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और ओडिशा के पूर्व सीएम नवीन पटनायक को सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किए जाने की मांग की। इसके साथ ही उन्होंने कांग्रेस और राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा। मुखर भाजपा नेता ने अपने लोकसभा क्षेत्र बेगुसराय में इस भावना को व्यक्त किया और अपने वर्तमान सहयोगी नीतीश कुमार और पूर्व गठबंधन सहयोगी नवीन पटनायक की भरपूर प्रशंसा की, जिन्हें भगवा पार्टी ने इस साल की शुरूआत में सत्ता से बाहर कर दिया था। गिरिराज सिंह ने कहा कि नीतीश कुमार के सत्ता में आने तक बिहार खस्ताहाल सड़कों, स्कूलों और इमारतों के लिए जाना जाता था, जो राज्य को नई ऊंचाइयों पर ले गए। इसी तरह, नवीन पटनायक ने इतने वर्षों तक ओडिशा की सेवा की। उनके जैसे नेता भारत रत्न जैसे सर्वोच्च सम्मान के पात्र हैं।

सम्पादकीय

श्याम बेनेगल होने का मतलब

हिंदी सिनेमा और टीवी जगत को कई बेहतरीन रचनाओं से नवाजने वाले श्याम बेनेगल का ९० बरस की आयु में एक लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। अभी १४ दिसंबर को उन्होंने अपना ९०वां जन्मदिन मनाया था, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर देखी जा सकती हैं। बीमारी की तकलीफ को मुस्कुराहट से ढंकते श्याम बेनेगल के साथ शबाना आजमी, नसीरुद्दीन शाह, कुलभूषण खरबंदा जैसे कलाकार इस तस्वीर में हैं, जो उनकी ५० बरस की सिनेयात्रा के साथी रहे हैं। इन जैसे कई उम्दा कलाकारों को फिल्म दुनिया में मौका देने, तराशने और निखारने का काम श्याम बेनेगल ने किया है। दरअसल किसी भी फिल्म या धारावाहिक में इन कलाकारों का नाम और श्याम बेनेगल का निर्देशन ही इस बात की आश्वस्ति देता था कि इसे देखने के बाद खुद को आप भीतर से थोड़ा और समृद्ध महसूस करेंगे। सादा लगने वाली बहुत सी कहानियां, रोजमर्रा के जीवन के कई प्रसंग, मीडिया में दमन और शोषण के रोजाना प्रकाशित होते समाचार, जिन पर हमारा ध्यान नहीं जाता या जो हमें विचलित नहीं करती हैं, ऐसी कहानियां, घटनाओं और प्रसंगों पर श्याम बेनेगल ने एक से बढ़कर एक फिल्में बनाईं। अंकुर, निशांत, मंथन, मंडी, कलयुग, जुनून, सरदारी बेगम, जुबैदा, से लेकर समर, वेल डन अब्बा, और वेलकम टू सज्जनपुर जैसी फिल्मों की एक लंबी फेहरिस्त है, जो बताती हैं कि श्याम बेनेगल होने का मतलब क्या है। जिस समय हिंदी सिनेमा राजेश खन्ना की सुपरस्टार वाली चकाचौंध से लिपटा था और जिसमें अमिताभ बच्चन एंग्री यंग मैन बनकर अपनी अलग जगह बनाने में लगे थे, उसी समय नसीरुद्दीन शाह या ओम पुरी, अमरीश पुरी, कुलभूषण खरबंदा जैसे कलाकारों के साथ श्याम बेनेगल अदाकारी का नया ककहरा जनता के बीच स्थापित कर रहे थे। इन कलाकारों के चेहरे पर सुपरस्टार जैसा रौबदाब नहीं था, न ही एक अकेला सब पर भारी होने का कोई दावा था, लेकिन ये सब मिलकर श्याम बेनेगल के निर्देशन में भारतीय सिनेमा का खजाना अपनी अभिनय कला से भर रहे थे। श्याम बेनेगल को समानांतर सिनेमा शब्द स्वीकार्य नहीं था। और यह सही भी है, क्योंकि जो फिल्में सतही निर्देशन और मामूली अभिनय के बावजूद सौ करोड़ क्लब में शामिल होने के लिए बनाई जाएं, वे मुख्यधारा कहलाएं और जो उत्कृष्टता के पैमाने पर खरी उतरें वे समानांतर कहलाएं, यह न्यायोचित नहीं है। श्याम बेनेगल के निर्देशन में हिंदी सिनेमा में ही नहीं टीवी जगत में भी एक नयी क्रांति का आगाज किया। वर्ना भारत एक खोज जैसी कालजयी रचना और नेहरूजी के नजरिए को छोटे पर्दे पर उतारना आसान नहीं था। ५३ कड़ियों में भारत के ५ हजार साल के इतिहास को इस अद्भुत धारावाहिक में समेटा गया। कमाल यह था कि रामायण, महाभारत समेत कई पौराणिक कहानियों के अलावा मौर्यकाल, मुगलकाल से लेकर टीपू सुल्तान और अंग्रेजी राज, भारत का आजादी का संघर्ष सभी को बेहद रोचक तरीके से फिल्माया गया। सूत्रधार की तरह नेहरूजी बीच-बीच में आते हैं और फिर एक काल से दूसरे काल तक भारत का सफर आगे बढ़ता रहता है। ९० के दशक में प्रसारित हुए इस धारावाहिक का शीर्षक गीत ही बेहद रोमांचित करता है। जो ऋग्वेद के १० वें मंडल का १२९ वां सूक्त नासदीय सूक्त का भावानुवाद है। इस सूक्त में ब्रह्माण्ड को लेकर जिज्ञासा प्रकट की गई है। जिसमें विज्ञान और ब्रह्मांड की उत्पत्ति पर कई सवाल हैं। माना जाता है कि इस सूक्त में भारतीय तर्कशास्त्र के बीज छिपे हैं। ऋषि प्रजापति परमेष्ठी ने नासदीय सूक्त की रचना की थी। भारत एक खोज के लिए इससे बेहतर शुरूआत नहीं हो सकती थी, जिसमें तर्क और वैज्ञानिक नजरिए को प्राथमिकता दी गई है। मशहूर गीतकार और पटकथा लेखक वसंत देव ने इसका अनुवाद किया और वनराज भाटिया ने इसे सुरबद्ध किया था।

सृष्टि से पहले सत नहीं था
असत भी नहीं
अंतरिक्ष भी नहीं
आकाश भी नहीं था
छिपा था क्या, कहां
किसने ढका था
उस पल तो
अगम अतल जल भी कहां था

इन पंक्तियों से शुरु होकर गीत निम्नलिखित पंक्तियों पर खत्म होता है कि- ॐ! सृष्टि निमाता, स्वर्ग रचयिता पूर्वज रक्षा कर।
सत्य धर्म पालक अतुल जल नियामक रक्षा कर।
फैली हैं दिशाएं बाहु जैसी उसकी सब में सब पर
ऐसे ही देवता की उपासना करें हम हवि देकर।
ऐसे ही देवता की उपासना करें हम हवि देकर।।

आज जब हिंदू को जगाने की राजनीति में एक धार्मिक, सांस्कृतिक उन्माद खड़ा हो चुका है, तब नेहरूजी जैसे राजनेता और श्याम बेनेगल जैसे किसी निर्देशक की सख्त जरूरत महसूस होती है, जो भारतीय संस्कृति और परंपरा की महान विरासत से देश को फिर परिचित करा सके।

जयंती

ऊधम सिंह

जन्म: 26 दिसंबर, 1899, सुनाम गाँव, पंजाब; शहादत: 31 जुलाई, 1940, पेंटनविले जेल, ब्रिटेन) भारत की आजादी की लड़ाई में अहम योगदान करने वाले पंजाब के महान क्रान्तिकारी थे। अमर शहीद ऊधम सिंह ने 13 अप्रैल, 1919 ई. को पंजाब में हुए भीषण जलियाँवाला बाग हत्याकांड के उत्तरदायी माइकल ओ'डायर की लंदन में गोली मारकर हत्या करके निर्दोष भारतीय लोगों की मौत का बदला लिया था।

पुण्यतिथि

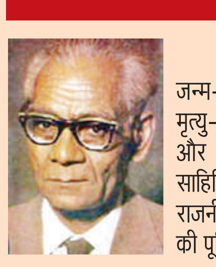

यशपाल

जन्म-3 दिसम्बर, 1903 ई., फिरोजपुर छावनी; मृत्यु-26 दिसंबर, 1976) हिन्दी के यशस्वी कथाकार और निबन्ध लेखक हैं। यशपाल राजनीतिक तथा साहित्यिक, दोनों क्षेत्रों में क्रान्तिकारी हैं। उनके लिए राजनीति तथा साहित्य दोनों साधन हैं और एक ही लक्ष्य की पूर्ति में सहायक हैं।

कल मिलेंगे

सिद्धू एक बैंक में गया और बोला-मुझे एक ज्वाइंट अकाउंट खुलवाना है
बैंक मैनेजर-किसके साथ?
संता-जिसके अकाउंट में खूब सारा पैसा हो...

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।

RNI No. : DELHIN/2016/70240

Phone No.: 9871221635

E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com

(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

राष्ट्र निर्माण के 'अटल' आदर्श की शताब्दी

-नरेंद्र मोदी

लेखक भारत के प्रधानमंत्री हैं

> वाजपेयी सरकार के शासन काल में कई बार सुरक्षा संबंधी चुनौतियां आईं। करगिल युद्ध का दौर आया। संसद पर आतंकियों ने कायरना प्रहार किया। अमेरिका के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर हुए हमले से वैश्विक स्थितियां बदलीं, लेकिन हर स्थिति में अटल जी के लिए भारत और भारत का हित सर्वोपरि रहा। जब भी आप वाजपेयी जी के व्यक्तित्व के बारे में किसी से बात करेंगे तो वो यही कहेगा कि वो लोगों को अपनी तरफ खींच लेते थे

मैं जी भर जिया, मैं मन से मरूं...लौटकर आऊंगा, कूच से क्यों डरूं? अटल जी के ये शब्द कितने साहसी हैं...कितने गूढ़ हैं। अटल जी, कूच से नहीं डरे...उन जैसे व्यक्तित्व को किसी से डर लगता भी नहीं था। वो ये भी कहते थे... जीवन बंजारों का डेरा आज यहां, कल कहां कूच है...कौन जानता किधर सवेरा...आज अगर वो हमारे बीच होते, तो वो अपने जन्मदिन पर नया सवेरा देख रहे होते। मैं वो दिन नहीं भूलता जब उन्होंने मुझे पास बुलाकर अंकवार में भर लिया था...और जोर से पीठ में धौल जमा दी थी। वो स्नेह...वो अपनत्व...वो प्रेम...मेरे जीवन का बहुत बड़ा सौभाग्य रहा है।

25 दिसंबर का ये दिन भारतीय राजनीति और भारतीय जनमानस के लिए एक तरह से सुशासन का अटल दिवस है। आज पूरा देश अपने भारत रत्न अटल को, उस आदर्श विभूति के रूप में याद कर रहा है, जिन्होंने अपनी सौम्यता, सहजता और सहृदयता से करोड़ों भारतीयों के मन में जगह बनाई। पूरा देश उनके योगदान के प्रति कृतज्ञ है। उनकी राजनीति के प्रति कृतार्थ है।

21वीं सदी को भारत की सदी बनाने के लिए उनकी एनडीए सरकार ने जो कदम उठाए, उसने देश को एक नई दिशा, नई गति दी। 1998 के जिस काल में उन्होंने पीएम पद संभाला, उस दौर में पूरा देश राजनीतिक अस्थिरता से घिरा हुआ था। 9 साल में देश ने चार बार लोकसभा के चुनाव देखे थे। लोगों को शंका थी कि ये सरकार भी उनकी उम्मीदों को पूरा नहीं कर पाएगी। ऐसे समय में एक सामान्य परिवार से आने वाले अटल जी ने, देश को स्थिरता और सुशासन का मॉडल दिया। भारत को नव विकास की गारंटी दी।

वो ऐसे नेता थे, जिनका प्रभाव भी आज तक अटल है। वो भविष्य के भारत के परिकल्पना पुरुष थे। उनकी सरकार ने देश को आईटी, टेलीकम्यूनिकेशन और दूरसंचार की दुनिया में तेजी से आगे बढ़ाया। उनके शासन काल में ही, एनडीए ने टेक्नॉलजी को सामान्य मानवी की पहुंच तक लाने का काम शुरू किया। भारत के दूर-दराज के इलाकों को बड़े शहरों से जोड़ने के सफल प्रयास किये गए। वाजपेयी जी की सरकार में शुरू हुई जिस स्वर्णिम चतुर्भुज योजना ने भारत के महानगरों को एक सूत्र में जोड़ा वो आज भी लोगों की स्मृतियों पर अमिट है। लोकल कनेक्टिविटी को बढ़ाने के लिए भी एनडीए गठबंधन की सरकार ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना जैसे कार्यक्रम शुरू किए। उनके शासन काल में दिल्ली मेट्रो शुरू हुई, जिसका विस्तार आज हमारी सरकार एक वर्ल्ड क्लास इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट के रूप में कर रही है। ऐसे ही प्रयासों से उन्होंने ना सिर्फ आर्थिक प्रगति को नई शक्ति दी, बल्कि दूर-दराज के क्षेत्रों को एक दूसरे से जोड़कर भारत की एकता को भी सशक्त किया।

जब भी सर्व शिक्षा अभियान की बात होती है, तो अटल जी की सरकार का जिक्र जरूर होता है। शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता मानने वाले वाजपेयी जी ने एक ऐसे भारत का सपना देखा था, जहां हर व्यक्ति को आधुनिक और गुणवत्ता वाली शिक्षा मिले। वो चाहते थे भारत के वर्ग, यानि ओबीसी, एससी, एसटी, आदिवासी और महिला सभी के लिए शिक्षा सहज और सुलभ बने।

उनकी सरकार ने देश की अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए कई बड़े आर्थिक सुधार किए। इन सुधारों के कारण भाई-भतीजावाद में फंसी देश की अर्थव्यवस्था को नई गति मिली। उस दौर की सरकार के समय में जो नीतियां बनीं, उनका मूल उद्देश्य सामान्य मानवी के जीवन को बदलना ही रहा।

उनकी सरकार के कई ऐसे अद्भुत और साहसी उदाहरण हैं, जिन्हें आज भी हम देशवासी गर्व से याद करते है। देश को अब भी 11 मई 1998 का वो गौरव दिवस याद है, एनडीए सरकार बनने के कुछ ही दिन बाद पोकरण में सफल परमाणु परीक्षण हुआ। इसे ऑपरेशन शक्ति का नाम दिया गया। इस परीक्षण के बाद दुनियाभर में भारत के वैज्ञानिकों को लेकर चर्चा होने लगी। इस बीच कई देशों ने खुलकर नाराजगी जताई, लेकिन तब की सरकार ने किसी दबाव की परवाह नहीं की। पीछे हटने की जगह 13 मई को न्यूक्लियर टेस्ट का एक और धमाका कर दिया गया। 11 मई को हुए परीक्षण ने तो दुनिया को भारत के वैज्ञानिकों की शक्ति से परिचय कराया था। लेकिन 13 मई को हुए परीक्षण ने दुनिया को ये दिखाया कि भारत का नेतृत्व एक ऐसे नेता के हाथ में है, जो एक अलग मिट्टी से बना है।

उन्होंने पूरी दुनिया को ये संदेश दिया, ये पुराना भारत नहीं है। पूरी दुनिया जान चुकी थी, कि भारत अब दबाव में आने वाला देश नहीं है। इस परमाणु परीक्षण की वजह से देश पर प्रतिबंध भी लगे, लेकिन देश ने सबका मुकाबला किया।

वाजपेयी सरकार के शासन काल में कई बार सुरक्षा संबंधी चुनौतियां आईं। करगिल युद्ध का दौर आया। संसद पर आतंकियों ने कायरना प्रहार किया। अमेरिका के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर हुए हमले से वैश्विक स्थितियां बदलीं, लेकिन हर स्थिति में अटल जी के लिए भारत और भारत का हित सर्वोपरि रहा। जब भी आप वाजपेयी जी के व्यक्तित्व के बारे में किसी से बात करेंगे तो वो यही कहेगा कि वो लोगों को अपनी तरफ खींच लेते थे। उनकी बोलने की कला का कोई सानी नहीं था। कविताओं और शब्दों में उनका कोई जवाब नहीं था। विरोधी भी वाजपेयी जी के भाषणों के मुरीद थे। युवा सांसदों के लिए वो चर्चाएं सीखने का माध्यम बनतीं।

कुछ सांसदों की संख्या लेकर भी, वो कांग्रेस की कुनीतियों का प्रखर विरोध करने में सफल होते। भारतीय राजनीति में वाजपेयी जी ने दिखाया, ईमानदारी और नीतिगत स्पष्टता का अर्थ क्या है। संसद में कहा गया उनका ये वाक्य... सरकारें आएंगी, जाएंगी, पार्टियां बनेंगी, बिगड़ेंगी मगर ये देश रहना चाहिए...आज भी मंत्र की तरह हम सबके मन में गूंजता रहता है।

वो भारतीय लोकतंत्र को समझते थे। वो ये भी जानते थे कि लोकतंत्र का मजबूत रहना कितना जरुरी है। आपातकाल के समय उन्होंने दमनकारी कांग्रेस सरकार का जमकर विरोध किया, यातनाएं झेली। जेल जाकर भी संविधान के हित का संकल्प दोहराया। ठऊअ की स्थापना के साथ उन्होंने गठबंधन की राजनीति को नए सिरे से परिभाषित किया। वो अनेक दलों को साथ लाए और ठऊअ को विकास, देश की प्रगति और क्षेत्रीय आकांक्षाओं का प्रतिनिधि बनाया। पीएम पद पर रहते हुए उन्होंने विपक्ष की आलोचनाओं का जवाब हमेशा बेहतरीन तरीके से दिया। वो ज्यादातर समय विपक्षी दल में रहे, लेकिन नीतियों का विरोध तर्कों और शब्दों से किया। एक समय उन्हें कांग्रेस ने गद्दार तक कह दिया था, उसके बाद भी उन्होंने कभी असंसदीय शब्दों का इस्तेमाल नहीं किया। उन में सत्ता की लालसा नहीं थी। 1996 में उन्होंने जोड़-तोड़ की राजनीति ना चुनकर, इस्तीफा देने का रास्ता चुन लिया। राजनीतिक षड्यंत्रों के कारण 1999 में उन्हें सिर्फ एक वोट के अंतर के कारण पद से इस्तीफा देना पड़ा। कई लोगों ने उनसे इस तरह की अनैतिक राजनीति को चुनौती देने के लिए कहा, लेकिन पीएम अटल बिहारी वाजपेयी शुचिता की राजनीति पर चले। अगले चुनाव में उन्होंने मजबूत जनादेश के साथ वापसी की।

संविधान के मूल्य संरक्षण में भी, उनके जैसा कोई नहीं था। डॉ. श्यामा प्रसाद के निधन का उनपर बहुत प्रभाव पड़ा था। वो आपात के खिलाफ लड़ाई का भी बड़ा चेहरा बने। इमरजेंसी केबाद 1977 के चुनाव से पहले उन्होंने जनसंघ का जनता पार्टी में विलय करने पर भी सहमति जता दी। मैं जानता हूं कि ये निर्णय सहज नहीं रहा होगा, लेकिन वाजपेयी जी के लिए हर राष्ट्रभक्त कार्यकर्ता की तरह दल से बड़ा देश था, संगठन से बड़ा, संविधान था।

हम सब जानते हैं, अटल जी को भारतीय संस्कृति से भी बहुत लगाव था। भारत के विदेश मंत्री बनने के बाद जब संयुक्त राष्ट्र संघ में भाषण देने का अवसर आया, तो उन्होंने अपनी हिंदी से पूरे देश को खुद से जोड़ा। पहली बार किसी ने हिंदी में संयुक्त राष्ट्र में अपनी बात कही। उन्होंने भारत की विरासत को विश्व पटल पर रखा। उन्होंने सामान्य भारतीय की भाषा को संयुक्त राष्ट्र के मंच तक पहुंचाया। राजनीतिक जीवन में होने के बाद भी, वो साहित्य और अभिव्यक्ति से जुड़े रहे। वो एक ऐसे कवि और लेखक थे, जिनके शब्द हर विपरीत स्थिति में व्यक्ति को आशा और नव सृजन की प्रेरणा देते थे। वो हर उम्र के भारतीय के प्रिय थे। हर वर्ग के अपने थे।

मेरे जैसे भारतीय जनता पार्टी के असंख्य कार्यकताओं को उनसे सीखने का, उनके साथ काम करने का, उनसे संवाद करने का अवसर मिला। अगर आज बीजेपी दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है तो इसका श्रेय उस अटल आधार को है, जिसपर ये दृढ़ संगठन खड़ा है। उन्होंने बीजेपी की नींव तब रखी, जब कांग्रेस जैसी पार्टी का विकल्प बनना आसान नहीं था। उनका नेतृत्व, उनकी राजनीतिक दक्षता, साहस और लोकतंत्र के प्रति उनके अगाध समर्पण ने बीजेपी को भारत की लोकप्रिय पार्टी के रूप में प्रशस्त किया। श्री लालकृष्ण आडवाणी और डॉ. मुरली मनोहर जोशी जैसे दिग्गजों के साथ, उन्होंने पार्टी को अनेक चुनौतियों से निकालकर सफलता के सोपान तक पहुंचाया।

जब भी सत्ता और विचारधारा के बीच एक को चुनने की स्थितियां आईं, उन्होंने इस चुनाव में विचारधारा को खुले मन से चुन लिया। वो देश को ये समझाने में सफल हुए कि कांग्रेस के दृष्टिकोण से अलग एक वैकल्पिक वैश्विक दृष्टिकोण संभव है। ऐसा दृष्टिकोण वास्तव में परिणाम दे सकता है।

आज उनका रोपित बीज, एक वटवृक्ष बनकर राष्ट्र सेवा की नव पीढ़ी को रच रहा है। अटल जी की 100वीं जयंती, भारत में सुशासन के एक राष्ट्र पुरुष की जयंती है। आइए हम सब इस अवसर पर, उनके सपनों को साकार करने के लिए मिलकर काम करें। हम एक ऐसे भारत का निर्माण करें, जो सुशासन, एकता और गति के अटल सिद्धांतों का प्रतीक हो। मुझे विश्वास है, भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी के सिखाए सिद्धांत ऐसे ही, हमें भारत को नव प्रगति और समृद्धि के पथ पर प्रशस्त करनें की प्रेरणा देते रहेंगे।

खलनायकों के महिमा मंडन और नायकों पर लांछन का दौर

-डॉ. दीपक पाचपोर

> यह कोई ताजा मानसिकता नहीं है। जब देश स्वतंत्र हुआ तब ऐसी भी विचारधाराएं थीं जिन्होंने इसे झूठी आजादी बताया। जिस रास्ते से चलकर देश को आजादी मिली, वह दुनिया के लिये नया विचार था जिसने अनेक देशों को अपनी मुक्ति के लिये प्रेरित किया-सत्य और अहिंसा का। महात्मा गांधी द्वारा प्रवर्तित इस विचार के पीछे-पीछे धर्मनिरपेक्षता, समानता, बन्धुत्व और न्यायपूर्ण समाज की अवधारणाएं भी चलकर आईं जिनके बूते देश वापस अपने पांवों पर खड़ा हो सका

पिछले दशक भर से भारत एक ऐसा दौर देख रहा है जिसमें डंके की चोट पर राष्ट्रनायकों को लांछित और खलनायकों को महिमा मंडित किया जा रहा है-वह भी ऐसे वक्त में जब देश अपनी आजादी के कथित अमृतकाल से गुजर रहा है और संविधान के 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा का जश्न मना रहा है। चेतना और विवेक का ऐसा विकृत रूप इसके पहले कभी नहीं देखा गया था। वैसे तो किसी के लांछनों और बदनाम करने के प्रयासों से हमारे राष्ट्रनायकों की उज्ज्वल छवि कतई मलिन नहीं होने जा रही; और न ही किसी कुपात्र के होने वाले महिमा मंडन से कोई नायकों की पंक्ति में जा बैठेगा, तो भी किसी भी देश के इतिहास में यह दुर्भाग्यजनक व स्याह दौर के रूप में दर्ज तो होगा ही। समय के साथ चढ़ाया गया कृत्रिम रंग उतर जायेगा तथा जो सम्मान के वास्तविक उत्तराधिकारी हैं; और जो स्वतंत्रता आंदोलन की भी में तपकर पहले ही कुंदन बन चुके हैं, उन्हें बदनामी का दौर और भी चमकाएगा-यह तय है। बस, देश की जो स्वर्णिम विरासत है और जिसने देश के लिये दुनिया भर में सम्मान अर्जित किया, उसे गिराने की कोशिशें एक सामूहिक निराशा का सबब जरूर है। डर यह भी है कि आने वाले समय में देश के स्वतंत्रता आंदोलन, अर्जित आजादी, स्वतंत्र भारत के पुनर्निर्माण और उनसे जुड़े लोगों को इस कदर विकृत कर दिया जायेगा कि देश का बड़ा नुकसान हो जायेगा क्योंकि ऐसा तीव्र घृणा और हिंसक विचारों के जरिये होगा। इस रास्ते बनने वाले समाज के विकारों से आगामी कई पीढ़ियां उबर नहीं पायेंगी।

यह कोई ताजा मानसिकता नहीं है। जब देश स्वतंत्र हुआ तब ऐसी भी विचारधाराएं थीं जिन्होंने इसे झूठी आजादी बताया। जिस रास्ते से चलकर देश को आजादी मिली, वह दुनिया के लिये नया विचार था जिसने अनेक देशों को अपनी मुक्ति के लिये प्रेरित किया-सत्य और अहिंसा का। महात्मा गांधी द्वारा प्रवर्तित इस विचार के पीछे-पीछे धर्मनिरपेक्षता, समानता, बन्धुत्व और न्यायपूर्ण समाज की अवधारणाएं भी चलकर आईं जिनके बूते देश वापस अपने पांवों पर खड़ा हो सका। ये पाये एक सभ्य, आधुनिक एवं लोकतांत्रिक देश के निर्माण के लिये अपरिहार्य थे। एक ऐसे वर्ग ने विचारों के इस पैकेज से बैर ठान लिया जिसके मन में समाज की अवधारणा एकदम विपरीत थी। अनेक ऐसे लोगों एवं संगठनों को न तो यह अवधारणा रास आई और न ही उस चमकदार विचारधारा से जुड़ी शख्सियतें जो असंख्य लोगों के लिये आज भी प्रेरणा पुंज बनी हुई हैं। स्वतंत्रता संग्राम जिस भारतीयता के मूल्यों को लेकर आगे बढ़ रहा था, उसकी राह में अवरोध डालने का काम ये ताकतें लम्बे समय से करती रहीं। एक ओर तो गांधी और उनसे जुड़े संगठन व लोग चाहते थे कि अंग्रेजों के खिलाफ न सिर्फ यह लड़ाई सभी भारतीय मिल-जुलकर लड़ें बल्कि अभी ही सर्वधर्म समभाव तथा भाई-चारे की बुनियाद भी डालें जिसके आधार पर सम्प्रभु भारत विकास करे। ये ताकतें इसके ठीक विपरीत देश के दो प्रमुख सम्प्रदायों- हिन्दुओं व मुस्लिमों के बीच फूट डालती रहीं। उनके द्वारा एक ऐसा वर्ग तैयार किया गया जिसे लगता था कि देश आजाद होने के बाद उस पर बहुसंख्यकों का एकाधिकार होना चाहिये। न सिर्फ साम्प्रदायिक विभाजन वरन बहुसंख्यकों में भी वही वर्गीकरण बना रहना चाहिये जो देश में कई शताब्दियों से समाज की विभाजनकारी व्यवस्था का निर्धारण करता है। इसलिये इन संगठनों के लोग कहते रहे कि 'उन्हें ऐसी आजादी नहीं चाहिये जिसमें मुस्लिमों, पिछड़ों एवं दलितों को भी अधिकार मिलें।' दूसरी तरफ गांधीजी, जवाहरलाल नेहरू, डॉ. बीआर अंबेडकर की त्रयी ने इन विचारों व विरोधों को दरकिनार कर एक समतामूलक और न्यायपूर्ण समाज की नींव पहले दिन ही डाल दी। संविधान ने उन मूल्यों और आदर्शों पर मुहर लगाई। जो उस संविधान और इस व्यवस्था के हिमायती थे, वे इन शक्तियों के निशाने पर पहले दिन से आये। हिन्दू महासभा हो या जनसंघ अथवा भारतीय जनता पार्टी का पूरा इतिहास इसी विचारधारा के विरोध का रहा है। फिर भी जनता ने उनके हाथों में लम्बे समय तक सत्ता नहीं सौंपी।

दरअसल, जनता की एक पीढ़ी थी जिसने आजादी के संघर्ष को देखा था या फिर उसके बाद होने वाले नवनिर्माण की प्रक्रिया का लाभ भी उठाया था। जैसा गरीब और बदहाल भारत अंग्रेज छोड़कर गये थे, उसे वापस अपने पांवों पर खड़ा करना तथा दुनिया में एक सम्मानजनक स्थान पाना कितना कठिन था-यह नागरिकों का एक बड़ा वर्ग जानता था।

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने भारतीय शांतिरक्षक ब्रिगेडियर झा के निधन पर शोक जताया

(एजेन्सी)।

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने गोलन हाइट्स में यूएनडीओएफ में सेवारत रहे ब्रिगेडियर जनरल अमिताभ झा के निधन पर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षण में उनके नेतृत्व तथा अडिग प्रतिबद्धता के लिए उन्हें याद रखा जाएगा। ब्रिगेडियर झा अप्रैल 2023 से यूनाइटेड नेशन्स डिसइंगेजमेंट ऑब्सर्वर फोर्स (यूएनडीओएफ) के उप बल कमांडर के रूप में सेवाएं दे रहे थे। उन्होंने हाल में सीरिया में असद सरकार गिरने के बाद जटिल हालात में यूएनडीओएफ के कार्यवाहक बल कमांडर की भी जिम्मेदारी निभाई थी। ब्रिगेडियर झा की पिछले दिनों स्वास्थ्य कारणों से असमय मृत्यु हो गई। गुतारेस के प्रवक्ता द्वारा मंगलवार रात जारी एक बयान में कहा गया, उन्हें संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना के प्रति उनके नेतृत्व और अटूट प्रतिबद्धता के लिए याद किया जाएगा, जिसमें 2005 से 2006 तक कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में संयुक्त राष्ट्र संगठन स्थिरीकरण मिशन में सैन्य पर्यवेक्षक के रूप में उनकी भूमिका भी शामिल है। बयान के अनुसार, संरा महासचिव ने झा के परिजनों तथा भारत सरकार के प्रति अपनी शोक-संवेदना प्रेषित की। इससे पहले भारतीय सेना ने एक्स पर एक पोस्ट में ब्रिगेडियर झा को श्रद्धांजलि देते हुए लिखा, सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी और सेना के समस्त अधिकारी चिकित्सा कारणों से ब्रिगेडियर अमिताभ झा के असमय निधन पर गहरी संवेदनाएं प्रकट करते हैं। झा की तस्वीर के साथ एक पोस्ट में सेना ने लिखा, भारतीय सेना दुख की इस घड़ी में शोक-संतप्त परिवार के साथ खड़ी है। यूएनडीओएफ की वेबसाइट के अनुसार, ब्रिगेडियर झा 14 अप्रैल, 2023 को यूएनडीओएफ मिशन में शामिल हुए थे। वह एक इन्फैंट्री अधिकारी थे और यूएनडीओएफ में तैनाती से पहले उन्होंने भारत के पर्वतीय इलाकों में एक ब्रिगेड और कमांडिंग ऑफिसर के रूप में एक विशेष इकाई की कमान संभाली थी।

कजाकिस्तान में 72 लोगों को ले जा रहा विमान दुर्घटनाग्रस्त

(एजेन्सी)।

बुधवार को कजाकिस्तान के अक्तौ शहर के पास आपातकालीन लैंडिंग के दौरान 72 लोगों को ले जा रहा एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें 40 से ज्यादा लोगों के मारे जाने की आशंका है, अधिकारियों ने बताया, साथ ही उन्होंने बताया कि दुर्घटना में 27 लोग बच गए। रूसी समाचार एजेंसियों ने बताया कि अजरबैजान एयरलाइंस की उड़ान J2-8243 रूस के बाकू से ग्रोज्नी जा रही थी, लेकिन ग्रोज्नी में कोहरे के कारण इसका मार्ग बदल दिया गया, समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने बताया। एसोसिएटेड प्रेस के अनुसार, कजाकिस्तान के आपातकालीन मंत्रालय ने कहा कि विमान दुर्घटना में 40 से ज्यादा लोगों के मारे जाने की आशंका है।

कजाक मीडिया ने शुरू में बताया था कि विमान में 110 लोग - 105 यात्री और पाँच चालक दल के सदस्य-सवार थे। बाद में, अधिकारियों ने संख्या को संशोधित कर 72 - 67 यात्री और पाँच चालक दल के सदस्य कर दिया। एक वीडियो में वह क्षण दिखाया गया है जब विमान ऊंचाई खोता है और दुर्घटनाग्रस्त होने से पहले तेजी से नीचे उतरता है और आग की लपटों में घिर जाता है। विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद, मौके पर धुएं का गुबार उठता हुआ दिखाई देता है। विमान एक खुले मैदान में दुर्घटनाग्रस्त हो गया और उसमें आग लग गई। कजाकिस्तान के आपातकालीन मंत्रालय ने कहा कि आपातकालीन सेवाओं ने दुर्घटना स्थल पर आग बुझा दी है, साथ ही कहा कि बचे हुए लोगों को चिकित्सा सहायता के लिए पास के अस्पताल ले जाया गया है। एक बयान में, अजरबैजान एयरलाइंस ने कहा कि विमान ने अक्तौ के पास लगभग तीन किलोमीटर की दूरी पर आपातकालीन लैंडिंग की थी। एयरलाइन ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर एक बयान में लिखा, "अजरबैजान एयरलाइंस द्वारा संचालित एम्ब्रेयर 190 विमान, बाकू-ग्रोजनी मार्ग पर J2-8243 नंबर की उड़ान ने अक्तौ शहर के पास लगभग तीन किलोमीटर की दूरी पर आपातकालीन लैंडिंग की।

घटना के बारे में अतिरिक्त जानकारी जनता को प्रदान की जाएगी।"

राज्यों के रियायतें देने से बुनियादी ढांचे का विकास हो सकता है प्रभावित: आरबीआई

(एजेन्सी)।

मुंबई। कई राज्यों के अपने 2024-25 के बजट में घोषित रियायतों के चलते महत्वपूर्ण सामाजिक और आर्थिक बुनियादी ढांचे का विकास प्रभावित हो सकता है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के एक लेख में यह आशंका जताई गई। आरबीआई बुलेटिन के दिसंबर अंक में प्रकाशित लेख के मुताबिक, केंद्र और राज्यों, दोनों के मामले में अप्रैल-सितंबर, 2024-25 में बजट अनुमान के प्रतिशत के अनुसार सकल राजकोषीय घाटा कम हुआ है। ऐसा मुख्य रूप से मजबूत प्राप्तियों, राजस्व व्यय वृद्धि के धीमा होने और पूंजीगत व्यय में गिरावट के कारण हुआ।

लेख के मुताबिक, इससे उन्हें 2024-25 के उत्तरार्ध में पूंजीगत व्यय बढ़ाने के लिए राजकोषीय गुंजाइश मिलती है। इससे मध्यम अवधि में वृद्धि संभावनाओं का समर्थन करने में मदद मिलेगी। लेख में आगे कहा गया है कि कई राज्यों ने अपने 2024-25 के बजट में रियायतों की घोषणा की है। हरियाणा, पंजाब, महाराष्ट्र और झारखंड समेत कई राज्यों ने कृषि और घरेलू क्षेत्र के लिए मुफ्त बिजली, मुफ्त परिवहन, बेरोजगार युवाओं को भत्ते और महिलाओं को मौद्रिक सहायता सहित कई रियायतों की घोषणा की है। इसमें कहा गया कि केंद्र ने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों तरह के कर संग्रह में वृद्धि दर्ज की है और यह रुझान जारी रहने की उम्मीद है। आरबीआई ने स्पष्ट किया है कि लेख में व्यक्त किए गए विचार लेखकों के हैं और उसके विचारों का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं।

दक्षिण अफ्रीका की नजरें पाकिस्तान को टेस्ट श्रृंखला में हराकर डब्ल्यूटीसी फाइनल में जगह बनाने पर

सेंचुरियन (एजेन्सी)। पाकिस्तान के खिलाफ बृहस्पतिवार से शुरू हो रही टेस्ट श्रृंखला जीतकर दक्षिण अफ्रीका की नजरें विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में जगह पक्की करने पर लगी हैं। दक्षिण अफ्रीका को लॉडर्स पर अगले साल होने वाले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में जगह बनाने के लिये इस चक्र के बाकी दो में से एक टेस्ट जीतना जरूरी है। कप्तान तेम्बा बावुमा को यकीन है कि उनकी टीम दो टेस्ट मैचों की आगामी श्रृंखला में अपेक्षाओं पर खरी उतरेगी। बावुमा ने कहा, अपेक्षाओं का दबाव तो है लेकिन हम श्रृंखला 2.0 से जीतने के इरादे से उतरेंगे। हमें पता है कि इसके लिये एक टीम के रूप में हमें सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

बॉक्सिंग डे टेस्ट में रोमांचक मुकाबले की संभावना

(एजेन्सी)।

मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच के दूसरे भाग में बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के साथ रोमांचक होने की उम्मीद है। पर्थ टेस्ट में भारत को 295 रन की बड़ी जीत मिली, लेकिन पैट कमिंस की ऑस्ट्रेलिया ने एडिलेड ओवल में गुलाबी गेंद वाले टेस्ट में 10 विकेट की जीत के साथ वापसी की। पांच मैच की टेस्ट श्रृंखला अभी 1-1 से बराबर है। मेलबर्न टेस्ट सीरीज में भारत की किस्मत का फैसला कर सकता है। मौजूदा पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में बॉक्सिंग डे टेस्ट भारत के लिए 'बनाने या बिगाड़ने' वाला हो सकता है। रोहित शर्मा पर दबाव है, जिन्होंने अपने पिछले पांच टेस्ट नहीं जीते हैं, लेकिन उनमें से चार हार गए हैं। बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज के बाद से, रोहित को परेशानियों का सामना करना पड़ा है क्योंकि उन्होंने बल्ले से भी अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है। भारतीय कप्तान क्रिसमस की पूर्व संध्या पर अभ्यास के लिए उतरने वाले आखिरी खिलाड़ी थे और कयास लगाए जा रहे हैं कि वह अभी तक अच्छा प्रदर्शन करने वाले केएल राहुल की जगह पारी की शुरूआत कर सकते हैं। अगर ऐसा होता है तो राहुल को फिर तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरना पड़ेगा। इस तरह की स्थिति में शुभमन गिल को या तो मध्य क्रम में उतरना होगा या फिर उन्हें ध्रुव जुरेल के लिए जगह खाली करनी होगी। रोहित मध्यक्रम में असफल रहे और अभी तक तीन पारियों में उनके नाम पर केवल 19 रन दर्ज हैं। अब अगर उन्हें सलामी बल्लेबाज के रूप में उतारा जाता है तो यह देखना दिलचस्प होगा कि भारतीय टीम का बल्लेबाजी क्रम का संयोजन कैसा होगा। दूसरी ओर, ऑस्ट्रेलिया की टीम लय में है, हालांकि वे ब्रिस्बेन के गाबा में तीसरे टेस्ट में जीत हासिल नहीं कर सके।

हैदराबाद भगदड़ पीड़ित के परिवार को 2 करोड़ रुपये की आर्थिक मदद करेंगे अल्लू अर्जुन और पुष्पा 2 निर्माता

(एजेन्सी)। साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन इस समय संध्या थिएटर भगदड़ मामले में उलझे हुए हैं। मंगलवार को उन्हें पूछताछ के लिए चिक्कड़पल्ली थाने बुलाया गया था। इससे पहले अल्लू अर्जुन ने खुद भी एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी, जहां उन्होंने खुद को निर्दोष बताया और कहा कि इस मामले में उनका नाम बदनाम किया जा रहा है। अल्लू अर्जुन, उनका परिवार और पुष्पा 2 की टीम भगदड़ मामले में पीड़ित परिवार से लगातार संपर्क में हैं और अस्पताल में भर्ती 9 साल के श्रीतेज की देखभाल कर रहे हैं। इसी क्रम में अब अल्लू अर्जुन के पिता अल्लू अरविंद ने बुधवार को एक बड़ा ऐलान किया है। अल्लू अरविंद ने ऐलान किया है कि पुष्पा 2 फिल्म के निर्माताओं और टीम ने मिलकर पीड़ित परिवार की मदद की है और 2 करोड़ रुपये देने का ऐलान किया है। अल्लू अरविंद ने कहा कि पुष्पा 2 की पूरी टीम पीड़ित परिवार के साथ है और हर संभव मदद के लिए तैयार है। इसी क्रम में संध्या थिएटर के बाहर घायल हुए 9 वर्षीय श्रीतेज को 2 करोड़ रुपए दिए जाएंगे। इसमें से एक करोड़ रुपए अल्लू अर्जुन की ओर से दिए जा रहे हैं। वहीं, पुष्पा 2 के निर्माता और निर्देशकों की ओर से 50-50 लाख रुपए दिए जाएंगे। श्रीतेज की बात करें तो वह फिलहाल वेंटिलेटर पर हैं और उनका डक्टर अस्पताल में इलाज चल रहा है। 8 वर्षीय बच्चे की मां रेवती की 4 दिसंबर को हैदराबाद में हुई भगदड़ में मौत हो गई थी। अल्लू अर्जुन की बात करें तो पुलिस ने हाल ही में उनसे इस मामले में पूछताछ की थी।

सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना ही असल मायने में सुशासन: मंत्री रणबीर गंगवा

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। करनाल के लघु सचिवालय स्थित सभागार में जिला स्तरीय सुशासन दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी व लोक निर्माण मंत्री रणबीर गंगवा ने शिरकत की। इस दौरान उन्होंने सर्वप्रथम पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी की तस्वीर के समक्ष पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर संबोधित करते हुए मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना ही सही मायने में सुशासन है। सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को यह संकल्प लेना चाहिए कि हम इस कर्तव्य को बेहतर तरीके से पूरा करेंगे।

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी व लोक निर्माण मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि 25 दिसंबर का दिन विशेष महत्व रखता है क्योंकि इस दिन भारत की 2 महान विभूतियों पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी तथा महामना मदन मोहन मालवीय का जन्मदिन है, तभी इस दिन को सुशासन दिवस के रूप में मनाया जाता है। वर्तमान में कई विभागों की कार्यप्रणाली ऑनलाइन हो गई है, जिससे लोगों को दफ्तरी दस्तावेज व दरख्वास्त से निजात मिली है और प्रदेश में सुशासन स्थापित हुआ है। उन्होंने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की सुशासन की परिकल्पना को सही मायने में चरितार्थ कर रही है। हरियाणा सरकार ने बड़े विभागों में कर्मचारियों की ऑनलाइन ट्रांसफर नीति लागू कर सुशासन व्यवस्था को देश के समक्ष एक उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया है। आज कई राज्य हरियाणा की ट्रांसफर नीति का अध्ययन कर रहे हैं और अपने राज्यों में लागू करने की प्रक्रिया अपना रहे हैं।

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी व लोक निर्माण मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि हमारी सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में विकसित भारत के चार स्तम्भ युवा, किसान, महिलाएं व गरीबों के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। किसानों के कल्याण के लिए लगातार नई योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं। महिलाओं को स्वयं सहायता समूह के माध्यम से आत्मनिर्भर व सशक्त बनाया जा रहा है। युवाओं को पारदर्शी मेरिट के आधार पर बिना खर्ची-पर्ची के सरकारी नौकरी देकर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने देश के समक्ष एक मिसाल पेश की है, जिसकी चर्चा पूरे देश में हो रही है। किसानों की 24 फसलों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीदने का निर्णय लिया गया है। महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देते हुए सरकार ने पंचायतों में महिलाओं को 50 प्रतिशत प्रतिनिधित्व दिया है।

इंद्री के विधायक एवं चीफ व्हीप रामकुमार कश्यप ने सभी को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिन की हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि 25 दिसंबर के दिन सारे देश में सुशासन दिवस मनाया जा रहा है। अटल जी तीन बार प्रधानमंत्री रहे। वे 12 बार राज्यसभा या लोकसभा के सांसद चुने गए। उन्होंने पारदर्शी शासन देने का कार्य किया। उनके शासनकाल में सभी का कल्याण हुआ। उन्होंने सड़कों से देश को जोड़ने का कार्य किया। सर्व शिक्षा अभियान को चलाया। आज देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी उन्हीं के पद चिन्हों पर आगे बढ़ रहे हैं। देश में तेज गति से विकास कार्य हो रहे हैं। सुशासन की दिशा में हरियाणा सरकार ने एक अनूठी पहल की है जिसकी शुरूआत पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने परिवार पहचान पत्र के रूप में शुरू की थी। सरकारी योजनाओं में पीपीपी का उपयोग किया जा रहा है। आज घर बैठे अटल सेवा केंद्र या गांवों की नागरिक सेवा केंद्र से लोग पीपीपी के माध्यम से सरकारी सेवाओं का लाभ उठा रहे हैं।

असंध के विधायक योगेंद्र राणा ने सभी को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिन की हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल जी ने अनेक कार्य किए जो लंबे समय तक याद रखे जाएंगे। उन्होंने सैनिकों को सम्मान दिलाते हुए उनके पार्थिव शरीर को परिवार वालों को देने की व्यवस्था की। किसान क्रेडिट कार्ड की शुरूआत की।

देशभर में सड़कों व हाईवे का जाल बनाया और बेहतर कनेक्टिविटी बनाई। हम सभी को उनके दिखाए मार्ग पर चलना चाहिए। इसके साथ-साथ अधिकारी व कर्मचारी यह सुनिश्चित करें कि सरकार की जो योजनाएं हैं, वह आमजन तक पहुंचे। अपने कर्तव्य को मुस्तैदी के साथ निभाए। उन्होंने कहा कि हम सभी को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए।

बच्चों को धर्म, गुरमत व गुरबाणी से जोड़ने के लिए नितनेम से जुड़े माता-पिता: जत्थेदार बलजीत सिंह दादूवाल

सफर-ए-शहादत के तहत गुरुद्वारा श्री शीशगंज साहिब तरावड़ी में हुआ शहीदी समागम

एसबी विशेष संवाददाता

करनाल। हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमैंट कमेटी द्वारा दशमेश पिता श्री गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज, माता गुजर कौर, चार साहिबजादों व समूह शहीदों की शहादत को समर्पित सफर-ए-शहादत श्रृंखला के तहत ऐतिहासिक गुरुद्वारा श्री शीशगंज साहिब तरावड़ी में समागम करवाया गया। हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमैंट कमेटी के प्रधान जत्थेदार भूपिंदर सिंह असंध और धर्म प्रचार चेयरमैन जत्थेदार बलजीत सिंह दादूवाल के दिशा-निर्देश पर करवाए गए इस समागम में श्री दरबार साहिब श्री अमृतसर साहिब के हजूरी रागी भाई सरबजीत सिंह पटना साहिब वाले, गुरुद्वारा श्री गुरु ग्रंथसर दादू साहिब के हजूरी रागी भाई गुरसेवक सिंह रंगीला ने शबद कीर्तन किया। समागम में स्वर्ण पदक विजेता भाई सुखविंदर सिंह स्वतंत्र ने अपनी ढाडी वारों से संगत को गुरु इतिहास से जोड़ा। ज्ञानी सरबजीत लुधियाना वालों ने कथा विचार करते हुए संगत के समक्ष शहीदी इतिहास की दास्तान पेश की। भाई गुरसेवक सिंह रंगीला ने शहीदी इतिहास के प्रसंग भी सांझे किए। इस दौरान धर्म प्रचार के सब ऑफिस जींद के प्रभारी भाई सूबा सिंह ने संगत का मार्गदर्शन करते हुए शहीदों से प्रेरणा लेकर जीवन में आगे बढ़ने का आह्वान किया। समागम में धर्म प्रचार चेयरमैन जत्थेदार बलजीत सिंह दादूवाल, संयुक्त सचिव गुलाब सिंह मुनक, दविंदर सिंह हाबड़ी, धर्म प्रचार सचिव सरबजीत सिंह जम्मू, धर्म प्रचार प्रभारी गुरपेज सिंह, सुपरवाईजर वजिंदर सिंह, कुलदीप सिंह, परमजीत सिंह मैनेजर समेत भारी गिनती में संगत ने विशेष रूप से अपनी हाजरी भरते हुए शहीदों को नमन किया।

धर्म प्रचार चेयरमैन जत्थेदार बलजीत सिंह दादूवाल ने कहा कि भावी पीढ़ी को संभालने, धर्म, गुरमत और गुरबाणी से जोड़ने के लिए माता-पिता को पहले स्वयं भी नितनेम करना पड़ेगा। इसके साथ ही माता-पिता को ऐतिहासिक गुरुद्वारा साहिबान के दर्शन करके इतिहास का ज्ञान होना चाहिए, तभी बच्चें को धर्म व गुरमत ज्ञान मिल पाएगा। उन्होंने कहा कि संगत को अपने बच्चों को गुरुद्वारा साहिबान प्रतिदिन ले कर जाना चाहिए। यदि हम शहीदी अस्थान श्री फतेहगढ़ साहिब, श्री चमकौर साहिब सहित अन्य ऐतिहासिक गुरुद्वारा साहिबान के दर्शन करवाते हुए बच्चों को इतिहास की जानकारी दे, तो बच्चों को गुरमत व सिख इतिहास का ज्ञान हो सकेगा। जत्थेदार दादूवाल ने हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमैंट कमेटी द्वारा सफर-ए-शहादत के तहत करवाए जा रहे समागमों की जानकारी संगत को दी।

उन्होंने 27 दिसंबर को असंध में करवाए जा रहे समागम में शिरकत करने की अपील भी संगत से की। जत्थेदार दादूवाल ने सरबंसदानी श्री गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज द्वारा, माता गुजर कौर व साहिबजादों की शहीदी का इतिहास संगत से सांझा किया। उन्होंने कहा कि दशमेश पिता जी ने अत्याचार के खिलाफ, देश व कौम की रक्षा करने के लिए अपना सारा परिवार कुर्बान कर दिया। हमें गुरु साहिब, माता गुजर कौर व साहिबजादों के जीवन से प्रेरणा लेकर अपने बच्चों को भी ऐसी परवरिश देनी चाहिए।

एतिहासिक भारत मण्डपम में धूमाधाम से मना अटल जी का जन्म शताव्दी वर्ष

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में एेतिहासिक भारत मंडपम प्रगति मैदान नई दिल्ली में एकादशम राष्ट्रीय 'अटल सम्मान समारोह' व प्रसिद्ध संगीतमय अटल गाथा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन अटल सम्मान समारोह ट्रस्ट द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रसिद्ध कथा वाचक अजय भाई ने संगीतमय अटल गाथा का आयोजन कर लोगों का दिल जीत लिया, उन्होनें अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन को उनकी कविताओं और स्मृतियों का संगीतमय पाठ कर लोगों का खूब मन मोहा।

इस अवसर पर अटल सम्मानों की श्रंखला के ग्यारहवें आयोजन में विभिन्न क्षेत्रों के लिए 20 सम्मान दिये गए। विश्वभर में अपनी अलग पहचान बना चुके अटल सम्मान समारोह में देश-विदेश से प्राप्त सैकड़ों आवेदनों की गहन पड़ताल के बाद चयन समिति के सदस्य सांसद व कलाकार मनोज तिवारी, पद्मश्री नलिनी-कमलनी, गायक कुमार विशु, माटिवेशनल स्पीकर सोनू शर्मा व साहित्यकार भुवनेश सिंघल ने विभिन्न कार्यक्षेत्रों के 20 लोगों का चयन किया।

अटल सम्मान समारोह के अध्यक्ष व कार्यक्रम के आयोजक सुप्रसिद्ध कवि भुवनेश सिंघल ने बताया कि यह उनका दसवां आयोजन है जिसमें विभिन्न क्षेत्रों के लिए कलाकारों, मनीशियों, साहित्यकारों, समाजसेवियों, व्यापारियों व राजनीतिज्ञों आदि सहित देश-विदेश के 20 चयनित योग्य लोगों को अपनी भारतीय परम्परा व सस्कृति के अनुसार शंखनाद व मंत्रोच्चार की स्वरलहरियों के बीच सम्मानित किया गया। सिंघल ने यह भी बताया कि यह देश का एकमात्र ऐसा आयोजन है जोकि अपनी सांस्कृतिक पहचान के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है।

क्रिसमस के शुभ अवसर पर कंबल वितरण किया गया

एसबी ब्यूरो प्रमुख इंतजार हुसैन

बदायूं। भाजपा के पूर्व अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य मनोज कुमार मसीह और भाजपा नेता विश्वजीत गुप्ता, यश कुमार मसीह ने गरीबो को कम्बल भोजन वितरित किए एव मनोज मसीह के आवास पर पहुँच कर भाजपा सदर विधायक महेश चंद्र गुप्ता जिला अध्यक्ष राजीव कुमार गुप्ता, डीसीबी चेयरमैन जेके सक्सेना, मीडिया प्रभारी आशीष शाक्य, हरिओम परासरी, हिमांशु साहू, अमन साहू, शेलेन्दर शर्मा रवि बाल्मीकि व भाजपा के अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने क्रिसमस की शुभकामनाएँ व बधाई दी।

उमराह से लौटा आसिफ अली का परिवार, स्वागत करने पहुंचे तमाम शहरवासी

एसबी ब्यूरो प्रमुख इंतजार हुसैन

बदायूं। मोहल्ला चाहमीर निवासी आसिफ अली जो महिला जिला चिकित्सालय में डाटा मैनेजर की पद पर कार्यरत हैं वह अपने पूरे परिवार अपने पिता मास्टर अफजाल अली पत्नी एवं अपने दो छोटे बच्चों के साथ सऊदी अरब के पवित्र शहर मक्का मदीना गए थे वापस आने पर परिवार वालों ने दिल्ली एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया एवं अपने जनपद बदायूं आने पर उनसे मिलने वालों का तांता लगा रहा खास तौर से बड़ी संख्या में उनके निवास पर पहुंचकर डॉक्टर और समाजसेवी संस्थाओं ने उनका फूल मालाओं से लाद दिया और गले मिलकर मुबारकबाद दी साथ ही जनपद बदायूं के वरिष्ठ पत्रकार हामिद अली खान राजपूत उनके साथ इंतजार हुसैन ने माला पहनाकर उनका इस्तकबाल किया। इस अवसर पर अल्ट्रासाउंड सेंटर प्रभारी डॉक्टर कयूम डॉक्टर नूरुल हसन डॉक्टर दानिश विकार अली फौजी भाई सहसवान छोटा रफत बाबू डॉक्टर तहसीन मक्के मियां युनुस खान आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मंसूरचक में राज्यस्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता का हुआ आगाज

एसबी ब्यूरो प्रमुख/मिन्टू कुमार

बेगूसराय। प्रखंड क्षेत्र के नर नारायण सिन्हा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मंसूरचक के प्रांगण में बुधवार को दो दिवसीय बिहार राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता का उद्घाटन बिहार सरकार के खेलमंत्री सुरेन्द्र मेहता ने फीता काटकर किया।

दूसरे दिन 26 दिसंबर को प्रतियोगिता के समापन के मौके पर पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि बिहार सरकार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी खेलमंत्री सुरेन्द्र मेहता,खेल विभाग के प्रधान सचिव बी.राजेन्द्र आदि शामिल होंगे। मलयुद्ध प्रतियोगिता को लेकर खेलमंत्री पिछले 15 दिनों से लगातार मंसूरचक में कैंप कर रहे हैं। डीएसपी डॉ.रविन्द्र मोहन प्रसाद,ने कहा कि कुश्ती प्रतियोगिता को लेकर सुरक्षा की चाक चौबंद व्यवस्था की गई है। प्रतियोगिता के उद्घाटन के मौके पर बिहार के खेल निदेशक महेंद्र कुमार, बेगूसराय के एसपी मनीष, खेल विभाग के उपाधीक्षक ऐश्वर्य कश्यप, प्रशिक्षु एएसपी साक्षी कुमारी, डीडीसी सोमेश बहादुर माथुर, तेघड़ा एसडीओ राकेश कुमार, बिहार कुश्ती संध के महासचिव विनय कुमार सिंह सहित अन्य उपस्थित थे। आगत अतिथियों का सम्मान रेफरी विनय भारद्वाज ने किया। मुख्य रेफरी विवेक भारद्वाज, भोरिक सिंह यादव, अंतरराष्ट्रीय कोच सह रेफरी अजय कुमार यादव आदि मौजूद थे। प्रथम पाली में बक्सर के चंदन कुमार, विजय कुमार यादव के बीच मल्लयुद्ध शुरू हुआ। जिसमें विजय कुमार यादव को रेफरी ने विजेता घोषित किया। बालिका मल्लयुद्ध में गोपालगंज की कल्पना कुमारी ने कैमूर की अन्नू गुप्ता को पराजित किया। खेलमंत्री सुरेन्द्र मेहता ने कहा कि जो पहलवान टॉप टेन में आएंगे उन्हें चांदी का गदा व नगर एक लाख रुपए पुरस्कार दिया जाएगा।

मौके पर बीडीओ सुभाष कुमार, मंसूरचक के चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. विनय कुमार, मनरेगा पीओ इंद्रमोहन कुमार, सीडीपीओ महताब ग्यास, प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी सुनील कुमार राय, मंसूरचक थानाध्यक्ष रोहित कुमार गुप्ता, प्राचार्य उमाशंकर पंडित, इजहार अंसारी, सुधीर कुमार राय मुन्ना, डॉ.दिनेश कुमार राय, गणपतौल पंचायत के मुखिया हीरा कुमारी, धर्मवीर सिंह कुंदन, यासमीन खातुन, अरमान कुरैशी, जलस देवी, राजाराम पासवान आदि उपस्थित थे।इस मलयुद्ध प्रतियोगिता में 190 पुरुष व 46 महिला खिलाडियों ने भाग लिया। आकर्षक प्रकार व्यवस्था के बीच देर रात तक प्रतियोगिता जारी है। वहीं दर्शकों में भी काफी चहल-पहल देखने को मिला।

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की मनाई गयी जयंती

एसबी संवाददाता

अकबरनगर। भारत माँ के महान सपूत, जनकवि व अपने व्यक्तित्व और कृतित्व से माँ भारती को विश्व में गौरवान्वित करने वाले भारतीय राजनीति के शिखर पुरुष, महान जननेता, देश के पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की 100वीं जयंती बुधवार को धूमधाम से मनाई गयी।

जयंती पर उन्हें अकबरनगर के इंग्लिश चिचरोन मे उनके तैल चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित किया गया। इस दौरान कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री आजाद भारतीय राजनीति के ऐसे स्तंभ रहे हैं जिन्होंने राजनीति और राजनय दोनों ही दृष्टि से नए मानदंड स्थापित किए। उन्होंने एक सशक्त और समृद्ध भारत के निर्माण के संकल्प के साथ आजीवन काम किया। भारत की प्रगति में उनके महत्त्वपूर्ण योगदान की जितनी भी सराहना की जाये कम है।

इस कार्यक्रम मैं सभी बूथों पर जाकर भाजपा नेता पियूष कुमार वत्स,मनोरंजन कुमार मिश्रा, निर्दोष मिश्रा, कुमार मंगलम, इंगलिश के बूथ अध्यक्ष प्रभाकर कुमार सिंह, तिलकपुर बूथ अध्यक्ष अमित कुमार मिश्रा, अविनाशकुमार, अंबुज राय कोलगाम्मा के बूथ अध्यक्ष नरेश साह, महेशी बूथ पे अशोक चौधरी, शंकर झा, प्रवीण कुमार आदि मौजूद थे।

खानपुर पुलिस ने फरार चल रहे अभियुक्त को किया गिरफ्तार

■ थानाध्यक्ष ने गिरफ्तार अभियुक्त को भेजा जेल

संजना भारती संवाददाता
अर्जुन कुमार झा

समस्तीपुर। खानपुर पुलिस ने बीती रात पुलिस फोर्स के साथ गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के मिल्की गाँव में छापामारी कर एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया गया।जो न्यायालय से निर्गत CR-718/2022/ व TR-133/2024 में निर्गत NBW वारंट में फरार चल रहे अभियुक्त गणेश मिश्र पिता-बिंदेश्वर मिश्र-ग्राम-मिल्की-थाना खानपुर जिला समस्तीपुर को छापामारी के क्रम में घर से ही गिरफ्तार कर थाना लाया गया। तथा वही गिरफ्तार अभियुक्त के बारे में पूछने पर थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त गणेश मिश्र पिता बिंदेश्वर मिश्र ग्राम मिल्की के विरूद्व समस्तीपुर न्यायालय से निर्गत NBW वारंट में फरार चल रहा था जिसे बीती गिरफ्तार कर थाना लाया गया। तथा गिरफ्तारी कागजात तैयार कर थाना के पुलिस पदाधिकारी व चौकीदार के साथ उचित अभिरक्षा में सरकारी वाहन से माननीय न्यायालय समस्तीपुर में उपस्थापन हेतु भेजा गया है।

साहित्य के बिना समाज और समाज के बिना साहित्य अधूरा और निरर्थक है: चंद्रप्रकाश सिंह

एसबी संवाददाता

तेघड़ा/बेगूसराय। तेघड़ा विधानसभा क्षेत्र के महान समाजसेवी सह एयरफोर्स से सेवानिवृत्त वरीय पदाधिकारी चंद्रप्रकाश सिंह उर्फ आनंद जी ने बुधवार को पत्रकारों से बातचीत के दौरान बताया कि साहित्य के बिना समाज और समाज के बिना साहित्य अधूरा है।और निरर्थक है। साहित्य का अर्थ होता है हित यह हित समाज के अतिरिक्त और किसका हो सकता है। साहित्य के बिना समाज गूंगा है। और साहित्य समाज के बिना कोरा पन्ना है। दोनों एक दूसरे पर निर्भर है। बताते चलें कि 29 दिसंबर को तरुण सांस्कृतिक चेतना समिति के द्वारा राज्य स्तरीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। उक्त कार्यक्रम के मुख्य अतिथि खेल मंत्री सुरेन्द्र मेहता एवं विशिष्ट अतिथि श्री सीपी सिंह होंगे इनके द्वारा आमंत्रित साहित्यकारों को दिनकर साहित्य सम्मान से नवाजे जाएंगे।

26 दिसंबर को आयोजित होगा नि:शुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर

एसबी ब्यूरो प्रमुख/मिन्टू कुमार

तेघड़ा(बेगूसराय)। स्व.रामोतार सुल्तानियां के पुण्यतिथि पर गरीब एवं नि:सहाय लोगों के लिए नि:शुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन का आयोजन उनकी धर्मपत्नी भगवती देवी सुल्तानियां के द्वारा किया गया है। उक्त बातें की जानकारी डॉ.अजीत कुमार किरण नेत्रालय सेवा समिति फुलवरिया बाजार कैडीवारी बरौनी ने दिया। जांच स्थान भगवती ग्रेन मिल धर्मकांटा एन.एच - 28 तेघड़ा ब्लाक से पहले, स्टेशन रोड तेघड़ा है। उक्त कार्यक्रम की व्यवस्थापक राजेश सुल्तानियां है। शिविर में आये रोगियों को मुफ्त आंख जांच, चश्मा जांच किया जाएगा एवं जरूरतों को मुफ्त दवा दी जाएगी।

धनपत सिंह सांगी स्मृति पुरस्कार के लिए आवेदन आमंत्रित

एसबी विशेष संवाददाता

करनाल। सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग हरियाणा की ओर से श्री धनपत सिंह सांगी स्मृति पुरस्कार के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। जिला के पात्र कलाकार 6 जनवरी 2025 तक श्री धनपत सिंह सांगी स्मृति पुरस्कार के लिए ई-मेल या डाक के माध्यम से सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग में आवेदन कर सकते हैं। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त होने वाले और अधूरे आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा। डीआईपीआरओ मनोज कौशिक ने बताया कि चयनित कलाकार को पुरस्कार के रूप में एक लाख रुपए, प्रशस्ति पत्र व शॉल भेंट की जाएगी। उन्होंने बताया कि 6 जनवरी 2025 तक एससीओ नंबर 200-201, सेक्टर 17-सी, चंडीगढ़ या आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से विभाग को आवेदन भेजे जा सकते हैं। उन्होंने बताया कि आवेदन करने वाले व्यक्ति के पास सांगियों की रचनाओं के मंच निर्देशन के लिए कम से कम 10 वर्ष का अनुभव होना जरूरी है। साथ ही आवेदक हरियाणा का निवासी होना अनिवार्य है और यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि प्रार्थी ने सांगों का निर्देशन हरियाणा की संस्कृति की मयार्दा के अनुरूप किया हो। श्रेष्ठ निर्देशक अपने सहयोगी कलात्मक निर्देशक, संगीत निर्देशक, कॉस्ट्यूम डिजाइनर प्रकाश एवं ध्वनि इत्यादि तकनीकी स्टाफ के साथ तालमेल बनाने में दक्ष होना चाहिए। प्रार्थी की आयु 35 वर्ष से लेकर 70 वर्ष के बीच होनी चाहिए और प्रार्थी का सांगों के मंच संचालन में प्रतिष्ठित होना भी जरूरी है।

उन्होंने बताया कि प्रार्थी को सांग की रचनाओं के आधार पर स्क्रिप्ट तैयार करने, अभिनय की बारीकियों और संगीत की जानकारी होना जरूरी है। प्रार्थी द्वारा सालाना कम से कम 10 सालों का निर्देशन एवं मंचन किया गया हो। चयनित किए जाने वाले व्यक्ति की सामाजिक छवि अच्छी होनी चाहिए, उस पर कोई आपराधिक मामला दर्ज नहीं होना चाहिए और निर्देशित किए गए सांग शिक्षाप्रद व सामाजिक सरोकार से जुड़े होने चाहिए।

हरियाणा विधानसभा का बनेगा नया भवन : हरविंद्र कल्याण

एसबी संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष श्री हरविंद्र कल्याण ने कैथल में सुशासन दिवस कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि आने वाले समय में विधानसभा के सदस्यों की संख्या बढ़ने वाली है और उस हिसाब से विधानसभा का आकार अभी छोटा है। सीटिंग व्यवस्था को देखते नया भवन बनाने की आवश्यकता है। इस विषय को आगे बढ़ाया हुआ है। नया विधानसभा भवन बनाने के लिए यू.टी. चंडीगढ़ प्रशासन से जमीन की मांग की गई है। आने वाले वर्षों में हरियाणा विधानसभा का नया भवन तैयार होगा। उन्होंने कहा कि परिसीमन की प्रक्रिया पूरे देश में जल्द शुरू होने वाली है। परिसीमन के बाद नॉर्म्स के अनुसार विधानसभा क्षेत्र की संख्या में वृद्धि हो सकती है। जिससे हरियाणा के सभी क्षेत्र का अच्छा प्रतिनिधित्व हो सकेगा। उन्होंने पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि आज के दिन पूरा देश सुशासन दिवस मना रहा है। भारत देश प्रगति के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। हम सभी को निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करने की आवश्यकता है ताकि हमारा देश एक विकसित देश की श्रेणी में शामिल हो सके । पात्र लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ मिले।

सुशासन की मजबूती के लिए अधिकारियों, कर्मचारियों के साथ-साथ आमजन की भागीदारी जरूरी: हरविंद्र कल्याण

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने देश में सुशासन की स्थापना की थी, जिसे वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आगे बढ़ाया जा रहा है। सुशासन दिवस पर हम सभी को यह संकल्प लेना चाहिए कि हम अपनी जिम्मेदारी को ईमानदारी और निष्ठा से निभाएं। सुशासन को और अधिक मजबूत करने के लिए अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ-साथ आमजन की भागीदारी भी बहुत आवश्यक है।

हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण बुधवार को लघु सचिवालय के सभागार में सुशासन दिवस पर आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। सबसे पहले उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित किया और पुष्प अर्पित करते हुए उन्हें नमन किया। इस दौरान गुरूग्राम से आयोजित राज्य स्तरीय सुशासन दिवस समारोह का वीडियो कांफ्रैंस के माध्यम से लाइव प्रसारण दिखाया गया, जिसमें मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश वासियों को संबोधित किया और सुशासन दिवस की बधाई दी।

विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को सुशासन का राष्ट्र पुरुष कहा जाता है। उनका जन्म बहुत ही साधारण परिवार में हुआ था। कड़े परिश्रम से व अपनी राष्ट्रभक्ति से उन्होंने प्रधानमंत्री रहते हुए देश में अनुशासन व सुशासन की नींव रखने का काम किया। माननीय अटल जी के राजनीतिक कौशल एवं दूरदृष्टि से भारत में स्थिरता एवं सुशासन का राज हमें मिला है। आज का दिन एक विशेष दिन है। राज्यस्तरीय कार्यक्रम में माननीय मुख्यमंत्री ने कई विषयों के बारे में विस्तार से जानकारी दी है।

उन्होंने कहा कि भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी ने भारत में आईटी इन्फ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाने की दिशा में अहम कदम उठाए। दूर संचार को बढ़ाने की बात हो या फिर देश की मजबूती की बात करें तो उन्होंने न्यूक्लीयर पॉवर देश को प्रदान की। उन्होंने देश में ऐसी नीति बनाई, जिससे देश की अर्थव्यवस्था मजबूत हुई। साथ ही इससे अंत्योदय का उनका जो लक्ष्य था, वह भी हासिल किया। उनके द्वारा सुशासन की जो नींव रखी गई, उसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मादी के नेतृत्व में लगातार आगे बढ़ाया जा रहा है। सुशासन को समझने के लिए संविधान की मूल प्रस्तावना को समझने की जरूरत है। जिसमें देश के प्रत्येक नागरिक के लिए सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक समानता का अधिकार दिया गया है।

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में चाहे विधायिका हो, कार्यपालिका या न्यायपालिका हो या फिर लोकतंत्र का चौथा स्तंभ मीडिया है, सभी की जिम्मेवारी बड़ी हो जाती है। हम सबका उद्देश्य जनकल्याण है। उन्होंने कहा कि हम सभी अपनी-अपनी जिम्मेवारी को निष्ठा व ईमानदारी से निर्वहन करनी चाहिए। कुछ अधिकारियों व कर्मचारियों को सम्मानित किया गया है, उन्हें विशेष रूप से बधाई। जिस प्रकार से उन्होंने अपना कार्य किया है, निश्चित तौर पर उन्हें आगे बढ़ाया गया गया है। यह हम सबके लिए एक प्रेरणा है।

■ नपा सचिव राजौंद नरेंद्र शर्मा, डीपीआरओ कार्यालय से अमित कौशिक, नगर परिषद से कुलदीप मलिक सहित अन्य को किया गया सम्मानित

विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण ने आगे कहा कि अंत्योदय के लिए शासन व प्रशासन चुस्त-दुरुस्त रहे। पिछले दस सालों प्रदेश में सकारात्मक बदलाव हुआ है, जिससे आम आदमी के जीवन की कई तरह की समस्याओं का समाधान हुआ है।

चाहे वह ऑनलाइन को बढ़ावा देने की बात हो, चाहे वह ई-गवर्नेंस की बात है, ऑनलाइन तबादला नीति की बात हो, इन सभी विषयों को ओर आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अगुवाई में केंद्र व प्रदेश की सरकार अंत्योदय की दिशा में जमीनी स्तर पर काम कर रही है। लोगों को घर-द्वार पर योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा रहा है।

मुख्य अतिथि हरविंद्र कल्याण ने कहा कि कैथल को सुशासन की दिशा में फ्लैगशिप योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए जो प्रथम स्थान मिला है, उसके लिए पूरा जिला प्रशासन बधाई का पात्र है। इससे पूर्व हरियाणा प्रदेश भी पूरे देश में ऐसी कई योजनाओं के क्रियान्वयन में कई बार प्रथम स्थान प्राप्त कर चुका है। उन्होंने कहा कि अधिकारी उनके पास आने वाले लोगों के आवेदनों को महज कागज का टुकड़ा न समझें, बल्कि उसके पीछे की उनकी पीड़ा को समझें और संवेदनशीलता के साथ उसका समाधान करें। उन्होंने समाधान शिविर व विकसित भारत संकल्प यात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि इन योजनाओं के माध्यम से आमजन की समस्याओं का समाधान किया गया।

उन्होंने मैरिट के आधार पर नौकरी देने का जिक्र करते हुए कहा कि पिछले दिनों ऐसे लोग नौकरी लगने के बाद उनके पास आए, जिनके पास मिठाई खरीदने तक के पैसे नहीं थे। गरीब लोगों की समस्याओं का समाधान करवाना न केवल हमारी ड्यूटी है, बल्कि मानवता की दृष्टि से भी यह एक कल्याण का कार्य है। सभी इस दिशा में संवेदनशीलता से काम करें। उन्होंने सभी को सुशासन दिवस की बधाई देते हुए कहा कि सुशासन की मजबूती के लिए अधिकारी प्रशासन व शासकीय लोगों के साथ-साथ आमजन की भागीदारी को अधिक से अधिक सुनिश्चित करवाएं। चाहे स्वच्छता की बात हो, चाहे पर्यावरण की बात हो या फिर नशे के खिलाफ अभियान की बात हो, इसमें आमजन की अधिक से अधिक भागीदारी हो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के सपने को पूरा करने के लिए सभी अपनी जिम्मेवारियों का निर्वहन करें।

इन्हें किया गया सम्मानित: पुलिस की ओर से एएसआई राजकुमार, तहसील कार्यालय से पटवारी राजेश कुमार, जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी कार्यालय से सहायक सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी अमित कौशिक, हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की ओर से मनोज कुमार, जिला परिषद के एईसीओ संदीप गोयल, सिविल सर्जन कार्यालय से सहायक सुरेंद्र गर्ग व सहायक लेखाकर रीना, खाद्य आपूर्ती विभाग से निरीक्षक सुरेश शर्मा, एडीसी कार्यालय से अनित कुमार, उपायुक्त कार्यालय से लिपिका कुमारी वर्णिका, सेवादार ज्योति, चुनाव विभाग से जे.पी. राजेंद्र, नगर परिषद में कार्यकारी अधिकारी कुलदीप मलिक, नगर पालिका राजौंद से सचिव नरेंद्र कुमार, कृषि विभाग से सहायक कृषि अभियंता जगदीश चंद्र व एसडीएम कार्यालय कैथल से डीईओ प्रदीप कुमार को मुख्य अतिथि ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

हरियाणा सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं के क्रियान्वयन में जिला कैथल को प्रदेश में मिला प्रथम स्थान

■ गुरुग्राम में आयोजित राज्यस्तरीय सुशासन दिवस समारोह में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा प्रदान किया गया यह अवार्ड

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। डीसी कैथल प्रीति के कुशल मार्गदर्शन में कैथल जिले ने हरियाणा सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं के क्रियान्वयन में प्रदेश में प्रथम स्थान हासिल किया है। यह पुरस्कार गुरुग्राम में आयोजित राज्यस्तरीय सुशासन दिवस समारोह में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कैथल प्रशासन का प्रतिनिधित्व कर रहे सीटीएम गुरविंद्र सिंह एवं जिला सूचना एवं प्रोद्यौगिकी अधिकारी दीपक खुराना को प्रदान किया।

जिला कैथल प्रशासन ने सेवा वितरण, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, एमएमएपीयूवाई, कानून व्यवस्था, विकास और पंचायत, नवाचार/पायलेट परियोजनाओं और स्वच्छ भारत मिशन सहित मापदंडों के आधार पर 100 में से 62.68 का उल्लेखनीय औसत स्कोर हासिल किया है। इसके अलावा सरल केंद्र की सेवाओं के साथ-साथ सीएम विंडो में भी प्रदेश में अच्छे स्थान पर रहा है। यह जिले की विभिन्न क्षेत्रों में सार्वजनिक सेवाओं और शासन को बेहतर बनाने की निरंतर प्रतिबद्धता को दशार्ता है। सुशासन दिवस पर कैथल जिला प्रथम स्थान हासिल करने पर डीसी प्रीति ने सभी अधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सभी जिलावासियों के लिए गर्व व हर्ष का विषय है। इसके लिए सभी बधाई के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि अभी इस दिशा में काफी कुछ किया जाना बाकि है। अधिकारी इस उपलब्धि को हासिल करने के बाद योजनाओं के क्रियान्वयन में निरंतरता बनाए रखें। ताकि इस स्थिति को बनाकर रखा जा सके।

उन्होंने कहा कि सुशासन दिवस का यही मतलब है कि हमें आमजन तक पूरी ईमानदारी, निष्ठा से कार्य करते हुए सरकारी सेवाएं प्रदान करनी है। इस प्रक्रिया को हमें निरंतर बनाए रखना है, ताकि जिला कैथल प्रदेश में ही नहीं देश में अपना नाम ऊंचा करें।

मंदिर व दुकान से चोरी करने के अलग-अलग 2 मामलों में 6 आरोपी गिरफ्तार

एसबी संवाददाता

कैथल। संपत्ती विरुद्ध अपराधियों पर एसपी राजेश कालिया के आदेशानुसार शिकंजा कसते हुए मंदिर व दुकान से चोरी करने के 2 अलग अलग मामलों में 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि थाना चीका क्षेत्र में मंदिर से चोरी करने के मामले की जांच थाना चीका पुलिस के एचसी रामेहर सिंह की टीम द्वारा करते हुए आरोपी गांव टटियाना निवासी हरजित सिंह व संजु को गिरफ्तार कर लिया गया।

प्रवक्ता ने बताया कि गांव टटियाना निवासी दलजीत सिंह की शिकायत अनुसार 16 दिसंबर 2024 को गुरु रविदास मंदिर टटियाना से अज्ञात व्यक्ति मंदिर का दानपात्र तोड़कर नकदी चोरी कर ले गए। जिस बारे थाना चीका में मामला दर्ज कर लिया गया। दोनों आरोपियों के कब्जे से 1 हजार रुपये व वारदात में प्रयुक्त पेचकस व प्लास बरामद कर लिए गए। दूसरे मामले में कलायत निवासी राजेश की शिकायत अनुसार 24 दिसंबर की रात करीब 12 बजे उसने मोबाइल पर दुकान के कैमरे चेक किए तो किसी ने कैमरों को कपड़े से ढका हुआ था। शक होने पर वह महिपाल व सुखबीर सिंह के साथ दुकान पर पहुंचा और देखा की 2 लड़के दुकान से तांबा व पीतल की चोरी कर रहे थे, जिनको मौके पर डायल 112 बुलाकर काबू कर लिया गया। जिनकी पहचान वार्ड नं 12 कलायत निवासी अरुण व अभिषेक के रुप में हुई।

दुकान से चोरी करने के मामले में चारो आरोपी थाना कलायत पुलिस गिरफ्त में। (छाया: एसबी)

आरोपियों के खिलाफ थाना कलायत में मामला दर्ज करके थाना कलायत से मौके पर पहुंचे एचसी मंदीप सिंह की टीम द्वारा दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपियों से पूछताछ करने के बाद उक्त वारदात में लिप्त उनके साथी आरोपी कलायत निवासी बलजीत उर्फ जीता व टिंकू को भी गिरफ्तार कर लिया गया।

दोनों उक्त वारदात में संलिप्त थे, जो मौके से फरार हो गए थे। सभी आरोपी बुधवार को न्यायालय में पेश किए जाएंगे, जिनसे पुलिस द्वारा पूछताछ की जा रही है।

एम एम पब्लिक स्कूल में मनाया ग्रैंड पैरेंट्स डे, दादा-दादी को किया सम्मानित

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

असंध। करनाल रोड स्थित एम एम पब्लिक स्कूल में बच्चों के दादा-दादी, नाना-नानी के लिए एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। सभी नाना-नानी, दादा-दादियों का विद्यालय के मुख्य द्वार पर बच्चों ने तिलक लगाकर एवं फूल देकर स्वागत किया।

कार्यक्रम की शुभ शुरूआत तुलसी पूजन से की गई। दादा-दादी, नाना-नानियों के लिए इस कार्यक्रम में अनेक प्रतियोगिताएं करवाई गई जिसमें गुब्बारे उछालना, नंबर जोड़ना, रबड़ लगाना, भजन गाना एवं रस्साकशी की प्रतियोगिता आकर्षण का केंद्र रही। जिसमें सभी दादा-दादी ने अपनी पूरी ताकत लगाकर सभी गतिविधियों में भाग लिया। बच्चों ने अपने दादा-दादी के सम्मान में रंगारंग नृत्य पेश किया।

विजेता प्रतिभागियों को विद्यालय की तरफ से इंद्रा रानी, प्रधानाचार्या माला जूड़ व कॉर्डिनेटर हेमा रानी ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया। विद्यालय के निर्देशक आर वी भारद्वाज ने अपने संदेश में बताया कि आप सभी बुजुर्ग हमारे भविष्य की जड़े हैं।

इस प्रकार के कार्यक्रम से बुजुर्गों के प्रति सम्मान बढ़ता है। उन्होंने युवाओं को भी संदेश दिया कि हमारे जीवन में बुजुर्गों का विशेष योगदान रहता है। वह जीवन भर हमें कुछ न कुछ देते ही रहते हैं इसलिए हमें भी देने वालों के लिए कृतज्ञ होना चाहिए।

इस अवसर पर सभी अध्यापक व स्कूल स्टाफ उपस्थित रहा।

पीएम जीवन ज्योति व पीएम सुरक्षा बीमा योजना नागरिकों के लिए हो रही है कारगर साबित: उत्तम सिंह

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। उपायुक्त उत्तम सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना तथा प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना नागरिकों के लिए कारगर सिद्ध हो रही है। इन योजनाओं के फार्म प्रत्येक बैंक व डाकघर में उपलब्ध हैं। इन योजनाओं में निर्धारित वार्षिक प्रीमियम जमा करवा कर दो लाख रुपए तक का बीमा होता है।

उपायुक्त ने बताया कि केंद्र सरकार ने प्रत्येक बैंक उपभोक्ता को जीवन सुरक्षा बीमा योजना का लाभ देने के लिए दो स्कीम चलाई हुई हैं। सामाजिक सुरक्षा योजना सामान्य परिवार को मुश्किल की घड़ी में आर्थिक समर्थन देकर मजबूत बनाती है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना में 18 से 50 वर्ष आयु के व्यक्ति नामांकन करवा सकते है। योजना के तहत 436 रुपये वार्षिक प्रीमियम जमा करवाना होता है तथा इससे 2 लाख रुपए के जीवन बीमा का संरक्षण मिलता है।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना एक दुर्घटना बीमा योजना है। इस योजना के तहत 18 से 70 वर्ष तक के नागरिक अपना दुर्घटना बीमा करवा सकते है। केवल 20 रुपये के वार्षिक प्रीमियम पर इस योजना में दो लाख रुपये का दुर्घटना बीमा संरक्षण प्राप्त होता है। उन्होंने बताया कि इन बीमा योजनाओं का प्रीमियम उपभोक्ता के बैंक या डाकघर खाते में से ऑटो डेबिट होता है तथा दावे की राशि संबंधित के बैंक खाते में सीधे जमा हो जाती है।

इन योजनाओं में नामांकन करवाने के लिए अपने नजदीकी बैंक शाखा अथवा डाकघर से संपर्क करें। उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया है कि वे अधिक से अधिक सरकार की योजनाओं का लाभ उठाएं।

मयंक राज ने सड़क सुरक्षा क्विज प्रतियोगिता में लेवल प्रथम में प्रथम स्थान किया प्राप्त

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

असंध। यातायात सुरक्षा को लेकर स्कूल, कॉलेज के बच्चों की एसडी पीजी कॉलेज पानीपत में जिला स्तरीय क्विज प्रतियोगिता करवाई गई। प्रतियोगिता में विभिन्न चरणों में 20 टीमों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में लेवल प्रथम में गीता पब्लिक स्कूल शेरा के पांचवीं कक्षा के छात्र मयंक राज गौर बल्ला ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

एसपी लोकेन्द्र सिंह ने प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों प्रशंसा पत्र व ट्राफी देकर सम्मानित किया गया। एससी ने मयंक राज को प्रशंसा पत्र व ट्राफी देकर सम्मानित किया।

मयंक राज गौर ने प्रतियोगिता में लेवल प्रथम में प्रथम स्थान प्राप्त कर स्कूल व गांव का नाम रोशन किया।

गांव संतोख माजरा में क्रिसमस दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। खंड राजौंद के गांव संतोख माजरा में क्रिसमस दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया। क्रिसमस ईसाई धर्म के लोगों का बड़ा पर्व है। प्रतिवर्ष की भांति गांव के गिरिजाघर में प्रभु ईशु की प्रार्थना की गई।

क्रिसमस ट्री सजाया गया। जो कि मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को उपहार दिए गए। इसमें आपसी भाईचारे, एकता और सद्भावना का संदेश मिलता है। हर वर्ष क्रिसमस दिवस के अवसर पर गांव में मेले का आयोजन किया जाता है। मेले में सैकड़ो की संख्या में नर, नारी, बच्चे, बुजुर्ग पहुंचे हैं। जो ग्रामिक दूसरे नगरों, हरियाणा प्रदेश से बाहर या विदेश में रहते हैं क्रिसमस के अवसर पर गांव में पहुंचकर अपने परिवार के साथ त्योहार मना कर प्रभु ईसा मसीह की प्रार्थना करते हैं। आस-पास के गांव के नागरिक अपने परिवार के साथ मेले में खरीदारी करने के साथ साथ झुलों का आंनद लेते हैं।

ग्रामिण सोनू, रोजी, जीवन दास, प्रीति, हैरिसन, बलबीर पास्टर ने बताया कि आज 25 दिसंबर को क्रिसमस डे अर्थात बड़ा दिन के रूप में भी जाना जाता है। इसाई धर्म की मान्यताओं अनुसार इस दिन ईसा मसीह का जन्म हुआ था। इसलिए इस खास दिन पर ईसाई समुदाय के लोग इकट्ठा होकर प्रभु यीशु की प्रार्थना करते हैं। और साथ में क्रिसमस कैरेल गाते हैं। इसके बाद लोग एक-दूसरे को मेरी क्रिसमस कहकर इस पर्व की शुभकामनाएं देते है।

इस दिन गांव के सभी लोग उत्साहित होकर घरों में मिठाइयां बांटकर खुशी मनाते हैं। जिस प्रकार हिन्दू लोग दिपावली पर्व हर्षोल्लास से मनातें है उसी प्रकार से ईसाई धर्म के अनुयायियों के लिए क्रिसमस पर्व का बड़ा महत्व है।

रेड क्रॉस सोसाइटी ने जरूरतमंदों को बांटे कम्बल

एसबी विशेष संवाददाता

करनाल। उपायुक्त उत्तम सिंह एवं अध्यक्ष जिला रेड क्रॉस करनाल के मार्गदर्शन में खुले में सोने वाले लोगों को ठंड के मद्देनजर सर्दी से बचाव हेतु रात्रि में कुलबीर मलिक सचिव जिला रेडक्रास करनाल के नेतृत्व में रेडक्रास टीम ने शहर के मुख्य स्थानों जैसे नए बस स्टैंड, रेलवे पुल कछवा रोड, रेलवे रोड, लिबर्टी चौक, आई . टी.आई. चौंक, गुरु ब्रहानंद चौंक, नमस्ते चौंक करनाल का निरीक्षण किया और बाहर खुले में पूल के नीचे व सडक किनारे फुटपाथ पर बैठे लोगो को बताया गया की जिला प्रसासन ने बेसहारा व्यक्तियों के लिए ठंड से बचने के लिए करनाल में 6 रहन बसेरे बनाये हुए है। आप वहा जाकर रात्रि ठहराव कर सकते है और वहा सभी सुविधा मौजूद है तथा सडक किनारे खड़े हुए जरूरतमंद लोगों को रेडक्रास की तरफ से कम्बल भी वितरित किए गए हैं।

जे.पी.एस. अकादमी में धूमधाम से मनाया क्रिसमस का पर्व

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

असंध। करनाल रोड स्थित जे. पी. एस. अकादमी के प्रांगण में क्रिसमस पर्व का आयोजन बड़े ही धूमधाम से किया गया। इस पर्व का आयोजन प्रबंधक कमेटी की देख - रेख में किया गया। इस अवसर पर अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

सर्वप्रथम विद्यार्थियों ने क्रिसमस के रोल सभी के सामने अपनी मधुर आवाज में पेश किया। विद्यार्थियों ने अनेक कार्यक्रमों की प्रस्तुति इस दौरान दी। विद्यार्थियों ने ईसा मसीह के जन्म से सम्बंधित एक लघु नाटिका का मंचन किया। जिसके जरिए उन्होंने सभी को ईसा- मसीह के जन्म के पीछे छिपे रहस्य से सभी को अवगत करवाया। इस अवसर पर अकादमी के प्रबंधक योगेंद्र राणा व प्रधानाचार्य मोहन सिंह ने सभी को क्रिसमस पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दी और कहा कि ईसा-मसीह का जीवन त्याग और प्यार की सबसे बड़ी मिसाल है। हमें भी इस मिसाल को अपने अंदर कायम रखना चाहिए। अपनी कमियों को दूर करके उनसे एक नई सीख लेनी है।